गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

Si न्यूज़

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 02 अंक : 7 गोरखपुर रविवार 4 अगस्त 2024 पृष्ठ : 8 मूल्य 02 रूपया

त्वरित व संतुष्टिपरक हो लोगों की समस्याओं का समाधान...

जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी ने दिए अधिकारियों को निर्देश

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उनके त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक समाधान के निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि जन समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए, इसमें किसी भी तरह की शिथिलता या लापरवाही नहीं होनी चाहिए। जनता की हर समस्या का निराकरण सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

सीएम ने की करीब 400 लोगों से मुलाकात जनता दर्शन में गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में बैठाए गए लोगों तक सीएम योगी खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 400 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि किसी के साथ नाइंसाफी नहीं होने दी जाएगी। जिन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ किन्हीं कारणों से नहीं मिल पाया है उन्हें इसके दायरे में लाया जाएगा। जनता दर्शन में मुस्लिम समाज की भी कई महिलाएं भी पहुंची थीं। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी हिदायत दी कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त विधिक कार्रवाई की जाए।इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोग

हर बार की तरह इस बार भी मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

सीएम ने दिए अधिकारियों को दिशा निर्देश

राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता व निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारी यह ध्यान दें कि कोई भी गरीबों की जमीन, संपत्ति पर कब्जा न करने पाए। किसी ने ऐसा दुस्साहस किया तो उसके

खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जिन भी जरूरतमंदों को अभी पक्का मकान नहीं मिल पाया है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे में लाकर पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सीएम योगी ने बच्चों को किया दुलार जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार-दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया। जनता दर्शन के अलावा मंदिर परिसर का भ्रमण करने के दौरान भी सीएम योगी ने परिजनों के साथ आए कई बच्चों से मुलाकात कर उन्हें स्नेहिल आशीष दिया। उन्होंने बच्चों के साथ खूब हंसी ठिठोली भी की और उन्हें चॉकलेट गिफ्ट किया। एक मासूम बच्चे को उन्होंने अपने हाथों से चॉकलेट खिलाया।

किसानों के खून से सने हैं कांग्रेस के हाथ, राज्यसभा में बोले शिवराज, मुझे छेड़ो मत, मुझे छेड़ोगे तो छोड़ूंगा नहीं

नयी दिल्ली। राज्यसभा में आज केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों पर किए गए अत्याचारों को लेकर कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। आंकड़े बताते हुए शिवराज ने कहा कि जब यही कांग्रेस अलग-अलग राज्यों में सत्ता में थी तो किसान मारे गए। 1986 में जब बिहार में कांग्रेस की सरकार थी, तब गोलीबारी में 23 लोग मारे गये थे। 1988 में इंदिरा गांधी की पुण्य तिथि पर दिल्ली में 2 किसानों की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि 1988 में उन्होंने मेरठ में किसानों पर फायरिंग की और 5 किसान मारे गये। शिवराज सिंह चौहान यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि 23 अगस्त 1995 हरियाणा में इनकी सरकार ने गोली चलाई और छह किसान मारे गए। इसी तरह 19 जनवरी 1998 को मुलताई, एमपी में किसानों पर गोली चली कांग्रेस की सरकार थी, 24 किसान मारे गए। उन्होंने साफ तौर पर तंज भरे लहजे में कहा कि मैने किसी को छेड़ा नहीं, लेकिन जो छेड़ेगा उसे छोड़ेंगे भी नहीं। उन्होंने आगे कहा कि हम किसान सम्मान निधि पर चर्चा कर रहे थे। कांग्रेस ने किसानों को सीधी मदद की बात तो की लेकिन प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजना कांग्रेस ने कभी नहीं बनाई। ये योजना हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनाई।

पीडीए की बात करने वाले अब क्यों कर रहे डीएनए की बात

अयोध्या रेप केस पर शहजाद पूनावाला का अखिलेश पर वार

अयोध्या। रेप केस मामले में राजनीति तेज होती दिखाई दे रही है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार लगातार कार्रवाई कर ही है तो वहीं, विपक्ष इसपर सवाल खड़े कर रहा है। विवाद उस समय बढ़ गटा जब अखिलेश ने इस मामले को लेकर डीएनए जांच की मांग कर दी। इसी को लेकर भाजपा हमलावर है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आज कहा कि अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी चुनाव में च्व। करती है लेकिन जब 12 साल की बच्ची के साथ बलात्कार हुआ और बलात्कारी 65 वर्षीय मोईद खान अयोध्या में समाजवादी पार्टी का बड़ा नेता है, तब वे डीएनए और नार्को टेस्ट की बात कर रहे हैं।

अखिलेश यादव का बड़ा बयान, बोले- समाजवादियों को बदनाम करना चाह रही भाजपा

शहजाद पूनावाला ने सवाल किया कि क्या समाजवादी पार्टी ने इससे पहले कभी किसी अपराधी के नार्को टेस्ट की बात की है? उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव मोईद खान को पार्टी से निकाल नहीं पाए, उल्टा समाजवादी पार्टी के गुर्गे इस परिवार को धमका रहे हैं। उन्होंने एक और सवाल किया गया कि दलितों, ˝६, ˝ज की बात करने वाले राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, ममता बनर्जी इस मुद्दे पर अखिलेश यादव से कुछ क्यों नहीं कह रहे हैं? अखिलेश के डीएनए और नार्को टेस्ट कराने वाले बयान पर बसपा प्रमुख मायावती ने भी हमला किया था। उन्होंने सवाल किया था कि सपा शासन में ऐसे मामलों में कितने आरोपियों का डीएनए परीक्षण किया गया था।

बलात्कार पीड़िता के परिजन से मिला भाजपा प्रतिनिधिमंडल, कहा- दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा अखिलेश यादव ने एक्स पोस्ट में लिखा था कि कुकृत्य के मामले में जिन पर भी आरोप लगा है उनका क्छ। जैम्ज कराकर इंसाफ का रास्ता निकाला जाए न कि केवल आरोप लगाकर सियासत की जाए। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी हो उसे कानून के हिसाब से पूरी सजा दी जाए, लेकिन अगर क्छ। जैम्ज के बाद आरोप झूठे साबित हों तो सरकार के संलिप्त अधिकारियों को भी न बख्शा जाए। यही न्याय की माँग है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को पीड़ित परिवार से मुलाकात की थी।

प्रमाणपत्र फर्जीवाड़ा में सात और शातिर गिरफ्तार

लखनऊ संवाददाता। जन्म प्रमाणपत्र के फर्जीवाड़ा में शामिल सात जिलों के सात और आरोपी शनिवार देर रात गिरफ्तार किए गए। यूपी एटीएस और सलोन पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आरोपियों के पास से आठ मोबाइल और एक लैपटॉप बरामद हुआ है। पूछताछ के बाद सभी को रविवार को जेल भेज दिया गया। फर्जीवाड़ा में अब गिरफ्तार कुल आरोपियों की संख्या 17 हो गई है। मामले में 10 आरोपियों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। रायबरेली के सलोन तहसील क्षेत्र के नुरुद्दीनपुर, सिरसिरा, गढ़ी इस्लामनगर व गोपालपुर गांव में 19, 184 फर्जी प्रमाणपत्र बना दिए गए। मामले से बांग्लादेशी, रोहिंग्या और पीएफआई के कनेक्शन जुड़ने के बाद पुलिस के साथ ही यूपी एटीएस ने भी जांच शुरू कर दी। मुख्य आरोपी जनसेवा केंद्र संचालक जीशान, वीडीओ विजय सिंह यादव, रियाज खान को 18 जुलाई को जेल भेजा गया था। वहीं, जीशान के नाबालिक भांजे को लखनऊ बाल अपचारी गृह में रखा गया। शुक्रवार की रात पुलिस व एटीएस ने सोनभद्र जिले के राबर्ट्सगंज निवासी गोविंद केशरी, संतकबीरनगर जिले के खलीलाबाद कोतवाली क्षेत्र के सियरासाथा निवासी आकाश कंसौधन, गोरखपुर के गोला बाजार कोतवाली क्षेत्र के नूरी मस्जिद निवासी सलमान, कुशीनगर के तरयासुजान थाना क्षेत्र के अहिरौली डान निवासी संजीव कुमार सिंह, प्रतापगढ़ जिले के सदर बाजार कोतवाली निवासी वैभव उपाध्याय, मुरादाबाद जिले के मुंडा पांडेय थाना क्षेत्र के डिलरा रायपुर निवासी शाहनवाज को गिरफ्तार किया था। शनिवार देर रात सात और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इनमें अंबेडकर नगर जिले के जगदीशपुर वेलाना निवासी देवमणि उर्फ राजन, महराजगंज जिले के घुघली थाना क्षेत्र के खुशहालनगर निवासी सतीश कुमार सोनी, प्रयागराज जिले के सोरांव थाना क्षेत्र के प्यानापुर अब्दालपुर निवासी धीरज कुमार, शाहजहांपुर जिले के डवोरा निवासी नीरज, मुरादाबाद जिले के खरकपुर जगतपुर मुंडा पांडेय निवासी आरिफ अली, बलिया जिले के बहेरी निवासी शहनवाज, बहराइच जिले के रानीपुर क्षेत्र के कोलवा बेग कठवारा निवासी अरमान को गिरफ्तार किया गया। सलोन कोतवाली प्रभारी जेपी सिंह के अनुसार पकड़े गए आरोपी फर्जी जन्म प्रमाणपत्र और आधार कार्ड बनाने का काम करते थे। इनमें से कुछ के संबंध बिहार व बंगाल से भी हैं।

मुसलमानों से संपत्तियों को छीनने का कोई इरादा नहीं

इस वजह से वक्फ अधिनियम में संशोधन लाने की तैयारी में सरकार

नयी दिल्ली। जानकारी के मुताबिक भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार वक्फ बोर्ड की शक्तियों को सीमित करने के लिए वक्फ अधिनियम में संशोधन लाने की तैयारी में है। इसको लेकर संसद में संशोधन विधेयक पेश किया जा सकता है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि अल्पसंख्यक आबादी के कई वर्गों द्वारा पैदा की जा रही इस आशंका को दूर करने के लिए कि यह विधेयक अल्पसंख्यकों के अधिकारों को छीन लेगा, आगामी कानून केवल मुस्लिम समर्थक होगा।घटनाक्रम से वाकिफ सूत्रों ने बताया कि कई गरीब मुस्लिम और खासकर मुस्लिम महिलाएं न्याय के लिए सरकार के पास पहुंची हैं। उन्होंने यह भी व्यक्त किया है कि कैसे ये संपत्तियां बहुत शक्तिशाली लोगों के नियंत्रण में हैं और आम आदमी के दुखों के बारे में किसी ने सोचा भी नहीं है। अधिनियम पहली बार 1954 में लाया गया था, 1995 में और फिर 2013 में संशोधित किया गया था। पहले के रूप में, ट्रिब्यूनल का शब्द अंतिम और बाध्यकारी था, लेकिन अब प्रस्तावित नए संशोधन के साथ जो कोई भी आगे बढ़ना चाहता है वह किसी भी विवाद की स्थिति में उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकता है। बलात्कार पीड़िता के परिजन से मिला भाजपा प्रतिनिधिमंडल, कहा– दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा एक सूत्र ने नेकवर्क 18 को बताया कि सरकार का इन संपत्तियों को मुसलमानों से छीनने का कोई इरादा नहीं है, आखिरकार, इन संपत्तियों का उपयोग केवल मुस्लिम समुदाय को लाभ पहुंचाने के लिए ही किया जा सकता है।

गोंडारू सीएम के कार्यक्रम में जाने से रोकने से भाजपाइयों का प्रदर्शन, भाजयुमो के राष्ट्रीय महामंत्री लौटाए गए

लखनऊ संवाददाता। गोंडा में सीएम योगी आज समीक्षा बैठक के लिए गोंडा पहुंच रहे हैं। इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कई भाजपाई नेताओं को इसमें एंट्री नहीं मिली जिससे वह नाराज हो गए। गोंडा में सीएम योगी आदित्यनाथ के पहुंचने के पहले वहां पार्टी के अंदर हंगामा मच गया। मंडलीय समीक्षा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनप्रतिनिधियों से मुलाकात का समय भी तय किया था। इससे भाजपा नेता भी मौके पर पहुंच गये। सर्किट हाउस में तय मुख्यमंत्री की बैठक में जाने लगे तो रोक दिया गया। जिससे भाजपा नेता खफा हो गए। सर्किट हाउस के सामने सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश राय चंदानी, सोनी सिंह समेत कई पदाधिकारी धरने में शामिल रहे। धरने पर बैठे भाजपा नेताओं को विधायक मेहनौन विनय कुमार द्विवेदी व करनैलगंज विधायक अजय सिंह मनाने की कोशिश की। वह लोग भी पार्टी नेताओं को बैठक में शामिल कराने का भरोसा नहीं दे सके। इससे बात बिगड़ते गई। भाजपा पदाधिकारी मुख्यमंत्री से मिलने पर अड़े रहे। इसी बीच मामले की जानकारी जिलाध्यक्ष अमर किशोर कश्यप को हुई, उन्होंने पार्टी नेताओं को बताया कि वह लोग बैठक में शामिल नहीं हो सकते हैं। इसके बाद भाजपा के पदाधिकारी मौके से लौट गये। पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री से नहीं मिलने दिया गया। वह लोग अपने घर जा रहे हैं।

भाजयुमो के राष्ट्रीय महामंत्री वैभव भी किये गये वापस

भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह भी मुख्यमंत्री की बैठक में शामिल नहीं हो पाये। उन्हें भी सर्किट हाउस के बाहर से वापस कर दिया गया। गोंडा के निवासी वैभव सिंह भाजयुमो राष्ट्रीय महामंत्री हैं और पार्टी के कद्दावर नेता रहे स्वर्गीय सत्यदेव सिंह के बेटे हैं। वह दिल्ली से गोंडा आए थे और मुख्यमंत्री के बैठक में शामिल होने पहुंचे थे। उन्हें भी बैरंग वापस लौटना पड़ा। बताया जा रहा है कि वैभव सिंह की संगठन में गहरी पैठ है, इसके बाद भी उन्हें मुख्यमंत्री की बैठक में शामिल होने की इजाजत न मिलने से भाजपा पदाधिकारी भी भौचक्के रहे। उनकी दशा देखकर कई भाजपा नेता उल्टे पांव लौट पड़े। समझ गये कि उनकी इंट्री संभव नहीं है।

सावन सोमवार : ऐसा शिव मंदिर जहां रुद्राभिषेक में पढ़े जाते हैं यजुर्वेद के 40 अध्याय, खास हैं यहां के 25 आचार्य

लखनऊ संवाददाता। सावन के सोमवार के मौके पर हम आपको लखनऊ के एक ऐसे शिव मंदिर के बारे में बता रहे हैं जहां रुद्राभिषेक में यजुर्वेद के 40 अध्याय पढ़े जाते हैं। चौक स्थित कोनेश्वर मंदिर शहर का एक ऐसा मंदिर है जहां रुद्राभिषेक में यजुर्वेद के 40 अध्याय पढ़े जाते हैं। इस रुद्राभिषेक में पूरा एक महीना लगता है। कोनेश्वर महादेव मंदिर में गुरु पूर्णिमा से चालू हुआ रुद्राभिषेक रोजाना शाम 7रू30 से शुरु होकर रात के 11 बजे तक चलता है। यह रक्षा बंधन तक चलेगा। इसमें पूरी संहिता पढ़ी जाती है। अन्य रुद्राभिषेक में रुद्राष्ट्राध्यायी, शतरुद्रीय पढ़े दिए जाते हैं। 112 साल पुराना है इनका प्रदोष मंडलशहर में कर्मकांडियों का एक ऐसा पूजा मंडल मौजूद हैं जो रुद्राभिषेक में यजुर्वेद के 40 अध्याय करवाता है। श्री विजय प्रदोष मंडल 112 वर्ष पुराना मंडल है। जिसमें कुल 25 आचार्य हैं। इस मंडल के पास शहर की सबसे ज्यादा पूजा के ऑर्डर आते हैं। ये सभी 25 आचार्य एक साथ प्रदोष पूजा, रुद्राभिषेक पूजा,शिवमहिम, रामास्थमा, मंगलसुख करवाते हैं। जब इस मंडल की शुरुआत हुई थी तब इसमें कुल 7 पंडित थे। इस मंडल की शुरुआत नरायण प्रसाद जिंगरन ने किया था।

मंडल से वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश कुमार जिंगरन बताते हैं कि जब इस मंडल की शुरुआत हुई थी तब रामाधीन शास्त्री लालटेन जलाकर कोनेश्वर मंदिर की पूजा किया करते थे। धीरे–धीरे कांरवा बढ़ा और यहां तक पहुंच गया। बताया कि कोनेश्वर मंदिर से महीने का प्रति ब्राह्मण 6 हजार मानदेय तय हैं। यहां की सभी पूजा में हमारा कुनबा ही बैठता है। हमारा मंडल देश का एकमात्र ऐसा मंडल है जो रुद्राभिषेक में यजुर्वेद के 40 अध्याय करवाता है बाकी कहीं सिर्फ शिवमहिम, रुद्राष्टम आदि करा कर ही छोड़ देते हैं। हमारे यहां क्रमशरू पाठ होते हैं। इस समय सावन के चलते 24 प्रदोष, और अनगिनत रुद्राभिषेक बुक हैं। हम लोग एक महीने में 40 अध्याय पूरे कर देते हैं। कहा कि पूजा की ज्यादा मांग होने पर हम बाहर से भी आचार्य बुलवाते हैं।

दिनेश कुमार, कमला शंकर त्रिपाठी, रवि पांडेय, राजीव मिश्रा, राजीव मिश्रा, नित्यानंद बाजपेई, दिनेश त्रिपाठी, संजीव शर्मा, विशाल दीक्षित, संतोष कुमार मिश्रा, आकाश शुक्ला, अभिषेक मिश्रा, शिवांश मिश्रा, अर्जित अवस्थी, सुंदरम उपाध्याय, धीरेंद्र, कपिल दुबे, तन्नु पांडेय, रमाकांत शुक्ला, शिवम शुक्ला, अमित मिश्रा, देवेश कुमार अन्य।

यूपीरू प्रदेश में चली 30 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवाएं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन से बदलने जा रहा है मौसम

लखनऊ संवाददाता। यूपी में रविवार को एक अलग तरह का मौसम था। करीब–करीब पूरे प्रदेश में सुबह से ही हवाएं चलने शुरू हुईं। यह हवाएं एक चक्रवात की वजह से चल रही हैं। यूपी का मौसम रोज नए तरीके से बदल रहा है। राजधानी लखनऊ सहित करीब–करीब पूरे प्रदेश में रविवार की सुबह से ही चल रही तेज पुरवाई झोंकों से मौसम बदल गया। हालांकि यह हवाएं बहुत तेज नहीं थीं बावजूद इसके कई जगहों पर पेड़ गिरने की खबरें आईं। चल रही हवाओं और आसमान में छाई बदली से मौसम सुहाना हो गया। मौसम वैज्ञानिक मो.दानिश के मुताबिक लखनऊ और प्रदेश के अन्य हिस्सों में रविवार सुबह से 30 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवा, दक्षिणी उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन की वजह से है।

संघवाद बनाम क्षेत्रवादः केंद्र और राज्यों के बीच सौहार्द बनाए रखना जरूरी, तभी शासन-प्रशासन सुचारू ढंग से चलेगा

भारत एक राष्ट्र है। यहां केंद्र एवं राज्यों के अधिकार एवं शक्तियां संविधान के अनुसार बंटी हुई हैं। राजनीतिक लोग व्यक्तिगत लड़ाइयों में अक्सर यह भूल जाते हैं कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं और उनके क्षुद्र संघर्षों में अंततरू नुकसान जनता का ही होता है। संघवाद बनाम क्षेत्रवाद का संघर्ष भारतीय राजनीति में नया नहीं है। लेकिन अब यह ज्यादा उभर रहा है। हाल के दो मामलों में देखें, तो यह कुछ स्पष्ट होगा। 27 जुलाई को हुई नीति आयोग की बैठक में गैर– भाजपा शासित राज्यों के करीब दस मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा नहीं लिया। इंडिया गठबंधन से अलग होकर सं ममता बनर्जी जरूर इसमें शामिल हुईं, लेकिन वह भी यह आरोप लगाकर बाहर निकल गईं कि उन्हें अपनी बात रखने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। हालांकि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उन्हें नियमानुसार बोलने का पर्याप्त समय दिया गया। साथ ही बारी से पहले बोलने के उनके आग्रह को भी स्वीकारा गया। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने माइक बंद करने के आरोप को भी गलत बताया। ममता के बीच में ही बैठक छोड़कर बाहर निकलने का राजनीतिक नतीजा यह हुआ कि नीति आयोग में प्रधानमंत्री ने जो एजेंडा सेट किया कि राज्यों के कल्याणकारी एवं विकासोन्मुख प्रशासन के वह कैसे वाहक बनेंगे, इस पर कोई विशेष चर्चा जनता के वीच नहीं हुई। सिर्फ पश्चिम बंगाल के क्षेत्रीय मामले बनाम केंद्र की राष्ट्रीय राजनीति ही सुर्खियां बनीं। दूसरा मामला, झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने यह कहकर नया विवाद खड़ा कर दिया है कि झारखंड, पश्चिम बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों को मिलाकर नया केंद्रशासित प्रदेश बना देना चाहिए। इस बयान को भी ममता बनर्जी ने आड़े हाथों लिया और कहा कि वह बंगाल का विभाजन नहीं होने देंगी। इससे झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी आग–बबूला हो सकते हैं। निशिकांत के बयान को इतनी गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए। वह एक संसदीय क्षेत्र के जनप्रतिनिधि यानी सांसद के अलावा अन्य किसी जिम्मेदार पद पर नहीं हैं। लेकिन राजनीति में तिल का ताड़ बनते देर नहीं लगती। विपक्ष पहले से ही इस बात को लेकर हमलावर है कि भाजपा सरकार संविधान बदलना चाहती है। इस बयान को आधार बनाकर विपक्षी नेता आगामी कुछ महीनों में झारखंड, महाराष्ट्र, हरियाणा जैसे राज्यों में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों में भाजपा को घेरने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। राज्य सरकारों और राज्यपालों के बीच टकराव की खबरें भी राष्ट्रीय समाचारों की सुर्खियां बनती रही हैं। इनमें तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केरल की सरकारों के राज्यपालों से टकराव तो अदालतों तक पहुंच चुके हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद संसद में विपक्ष के मजबूत होने से संघवाद बनाम क्षेत्रवाद की लड़ाई कम होने के बजाय बढ़ती दिख रही है। लोकसभा चुनाव में एक तरफ सत्ताधारी दल भाजपा प्रभावशाली थी, तो दूसरी तरफ उसके विरोध में कई प्रांतों में क्षेत्रीय दल उठ खड़े हुए। यानी प्रतिस्पर्धा द्विदलीय न होकर भाजपा बनाम क्षेत्रवाद बन गई। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में द्रमुक ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी। चुनाव के पहले से ही मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और राज्यपाल आरएन रवि के बीच टकराव था। यहां तक कि राज्यपाल ने राज्य के संयुक्त विधानसभा सत्र की बैठक में अभिभाषण (जो राज्य सरकार द्वारा लिखित एवं अनुमोदित होता है) पढ़ने से इन्कार कर दिया था। ऐसा ही कुछ केरल में भी हुआ। यहां राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान एवं वामपंथी गठबंधन के मुख्यमंत्री पी विजयन के बीच सर्वाधिक मतभेद विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्ति को लेकर हुआ। कहने का मतलब कि हर मुद्दे पर जमकर राजनीतिक बहसबाजी हुई और राज्य सरकारों ने न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाया। हालांकि कानूनी मसले थोड़े क्लिष्ट हैं, किंतु इससे स्पष्ट होता है कि वास्तव में यह लड़ाई राजनीतिक है। इस राजनीतिक दंगल का सबसे बड़ा प्रतिरूप पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल में भी देखा जा रहा है। यहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भाजपा से जमकर लोहा ले रही हैं। पिछले विधानसभा चुनाव (2021) में पश्चिम बंगाल में भाजपा ने बड़ी मुहिम चलाई थी। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने चुनाव अभियान की बागडोर अपने हाथों में रखी। लेकिन ममता बनर्जी बांग्ला अस्मिता के नाम पर क्षेत्रवाद का झंडा बुलंद कर फिर से सत्ता में लौट आई। अब तक माना जाता रहा है कि राज्यों के चुनाव में ही स्थानीय मुद्दे हावी होते हैं, लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव में कुछ राज्यों में राष्ट्रीय मुद्दों के बजाय क्षेत्रीयता हावी रही। इस राजनीतिक लड़ाई के बीच जनता ने स्पष्ट किया कि भारत राज्यों की संघीय व्यवस्था है। पहली बार पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस न्यायालय के सहयोग से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा उनके ऊपर की जाने वाली टिप्पणियों पर प्रतिबंध लगा पाए हैं। वहीं ममता बनर्जी ने भी सर्वोच्च न्यायालय के सामने यह गुहार लगाई है कि विधानसभा द्वारा पारित या राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित आठ विधेयकों को राज्यपाल ने लंबे समय से लटकाए रखा है। राज्य के विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति का मामला भी अधर में लटका हुआ है। न्यायालय ने राज्यपाल कार्यालय और केंद्र सरकार को इस मामले में नोटिस भी जारी कर दिया है। राज्यपाल इन आरोपों का खंडन करते हैं। कुल मिलाकर मामला भले ही न्यायालय में लड़ा जा रहा हो, पर यह वास्तव में केंद्र बनाम राज्य तथा संघवाद के ऊपर छिड़ी सघन राजनीतिक लड़ाई है। संविधान की सातवीं अनुसूची में केंद्र और राज्यों की शक्तियों (संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची) का बंटवारा किया गया है। फिर भी केंद्र और राज्यों के बीच हितों और शक्तियों के उपयोग को लेकर समय–समय पर टकराव देखे जाते रहे हैं। लेकिन राजनीतिक गुलेल चलाने से संघीय प्रणाली नहीं बदलने वाली है। नीति आयोग की बैठक में गैर–भाजपा मुख्यमंत्रियों का हिस्सा न लेना, ममता बनर्जी का बैठक छोड़कर बाहर आना, निशिकांत दुबे के बयान को तूल देना यह सब राजनीतिक तिकड़मबाजी है। संघवाद बेहतर चले इसके लिए केंद्र तथा राज्यों में सौहार्द्र बनाए रखने की आवश्यकता है, ताकि शासन–प्रशासन सुचारू ढंग से चले।

हल्के में न लें हाथी को!... रोबोट की पकड़ मजबूत बनाने के लिए सूंड के जैव शास्त्र की मदद ली जा रही

रोबोट भले कैसा भी हो, उससे यह उम्मीद रहती है कि वह वस्तुओं को उठाकर दूसरी जगह तक ले जाए और व्यवस्थित ढंग से रख भी दे। ऐसे में, रोबोट निर्माता कंपनियां इस चीज पर सबसे ज्यादा ध्यान देती हैं कि रोबोट के हाथ वस्तुओं पर अपनी मजबूत पकड़ कैसे बनाएं। इस मामले में रोबोटिक विज्ञान की दिलचस्पी हाथियों की सूंड में बढ़ी है। एक हाथी अपनी सूंड का उपयोग जिस तरह करता है, वह देखना दिलचस्प है। हाथी अपनी सूंड का उपयोग खाने, पीने, संवाद करने, खोजने, सामाजिक व्यवहार और चीजों को बनाने व बिगाड़ने में करता है। सूंड की मांसपेशियां इतनी मजबूत होती हैं कि मजबूत से मजबूत पेड़ तक को उखाड़ फेंके। हालांकि हाथी इस सूंड का उपयोग बेहद सटीकता से करता है। मनुष्य के हाथ में अंगुलियां जो काम करती हैं, वह हाथी अपनी सूंड से करता है।मैं वैज्ञानिकों के उस समूह का हिस्सा थी, जिसने अफ्रीकी सवाना हाथियों का परीक्षण यह देखने के लिए किया कि उनकी सूंड की नोक कितना बल लगाती है। हाथी की सूंड की मांसपेशियों में कोई हड्डी नहीं होती है। कई तंत्रिकाएं होती हैं, जो इसे किसी चीज को पकड़ने के लिए बहुत ताकत, सटीकता और संवेदनशीलता प्रदान करती हैं। हाथी की सूंड की नोक पर दो उंगलियों जैसे उभार होते हैं ऊपर की तरफ नुकीला और नीचे की तरफ ज्यादा गोल और छोटा उभार। हमने यह भी अध्ययन किया कि सूंड की स्थिति हाथी द्वारा लगाए जाने वाले बल को कैसे प्रभावित करती है। रोबोट बनाने वाले इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरों ने प्राकृतिक जैविक ऊतक के लचीलेपन और तरीके की नकल करने की कोशिश की है, जिससे वे अलग–अलग काम करते समय मुड़ सकते हैं। इसे जैव–प्रेरित तकनीक के रूप में जाना जाता है। यह सॉफ्ट रोबोटिक्स में उपयोगी है, जो रोबोट के डिजाइन और निर्माण पर केंद्रित है। पिछले 20 वर्षों से, हाथी की सूंड ने इस शोध को प्रेरित किया है। यह रोबोट के सॉफ्ट ग्रिपर्स के भावी विकास के लिए उपयोगी है। सॉफ्ट ग्रिपर्स रोबोट की भुजा के अंत में लगा उपकरण होता है, जो चीजों को पकड़ने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होता है। हाथी की सूंड पर आधारित सॉफ्ट ग्रिपर अपने आकार बदलकर अप्रत्याशित वातावरण के अनुकूल हो जाते हैं। हमने सूंड द्वारा लगाए गए अधिकतम पिंच बल को मापा, जो 86.4 न्यूटन था। मनुष्यों में अंगूठे और तर्जनी के बीच अधिकतम पिंच बल 49 से 68 न्यूटन के बीच होता है। तो जब आप किसी हाथी के नजदीक हों, तो उसकी सूंड की ताकत को नजरंदाज बिल्कुल मत कीजिएगा।

सम्पादकीय

सोशल मीडिया बनाम दूधारी तलवार

जनवरी 2024 में भारत की जनसंख्या 1.44 बिलियन थी। 2024 की शुरुआत में भारत में 751.5 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता थे, जब इंटरनेट की पहुंच 52.4 प्रतिशत थी। जनवरी 2024 में भारत में 462.0 मिलियन सोशल मीडिया उपयोगकर्ता थे, जो कुल जनसंख्या का 32.2 प्रतिशत है। इस आकड़े में प्रतिदिन जबरदस्त इजाफा हो रहा है। यानि आने वाले समय में सोशल मीडिया का विस्तृत रूप देश दुनिया के सामने होगा। 2024 की शुरुआत में भारत में कुल 1.12 बिलियन सेल्युलर मोबाइल कनेक्शन सक्रिय थे, यह आंकड़ा कुल जनसंख्या के 78.0 प्रतिशत के बराबर है। सोशल मीडिया और सूचना के फायदे और नुकसान इस बात पर निर्भर करते हैं कि इसका इस्तेमाल कैसे किया जाता है। एक तरफ, मीडिया का इस्तेमाल जनता को सूचित करने, मनोरंजन करने, शिक्षित करने, लोगों को जोड़ने और महत्वपूर्ण कारणों को बढ़ावा देने के लिए किया जा सकता है। दूसरी तरफ, इसका इस्तेमाल गलत सूचना फैलाने और लोगों का शोषण करने के लिए भी किया जा सकता है। सोशल मीडिया दुनिया भर के लोगों से जुड़ने का एक महत्त्वपूर्ण साधन है और इसने विश्व में संचार को नया आयाम दिया है। सोशल मीडिया उन लोगों की आवाज बन सकता है जो समाज की मुख्य धारा से अलग हैं और जिनकी आवाज को दबाया जाता रहा है। सोशल मीडिया के नकारात्मक पहलू है, जिसकी आज के समय में अनदेखी नहीं की जा सकती है। आज सोशल मीडिया के मंच पर ऑनलाइन ठगी की वारदातें काफी बढ़ गई हैं। ठगों ने अब फेसबुक आईडी हैक कर दोस्तों से पैसे मांगने शुरू कर दिए हैं तो कई एप ऐसे भी हैं जिन पर आकर्षक सामान दिखाकर लोगों को खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है और फिर बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर होने के बाद ठगी का अहसास होता है। लगातार इंटरनेट का इस्तेमाल करने से लोग मेडिकल डिसऑर्डर का शिकार भी हो रहे हैं। सोशल मीडिया ने घर में ही लोगों में दूरी पैदा कर दी है। इसके कारण लोग तनाव के शिकार हो रहे हैं। यानि यह तो तय है कि सोशल मीडिया दूधारी तलवार है। सोशल मीडिया ने आपकी दिमागी कसरत को कम कर दिया है। इसके घातक परिणाम भी सामने आ सकते है। कई कई घन्टे सोशल मीडिया में रमें रहने वाले युवाओं की हालत आज किसी से छूपी नही है। सोशल मीडिया से धन कमाने की लालच में जिस तरह के वीडियों, फोटो या अन्य अश्लीलता फैलाने वाली सामग्री परोसी जा रही है। वह हमारे नैतिक और सामाजिक पतन का संकेत है। ऐसा नही कि सोशल मीडिया केवल नकारात्मक वातावरण का सृजन कर रही बल्कि वर्तमान में सोशल मीडिया कई व्यवसायियों के लिये व्यवसाय के एक अच्छे साधन के रूप में कार्य कर रहा है। सोशल मीडिया के साथ ही कई प्रकार के रोजगार भी पैदा हुए हैं। वर्तमान में आम नागरिकों के बीच जागरूकता फैलाने के लिये सोशल मीडिया का प्रयोग काफी व्यापक स्तर पर किया जा रहा है।कई शोधों में सामने आया है कि दुनिया भर में अधिकांश लोग रोजमर्रा की सूचनाएँ सोशल मीडिया के माध्यम से ही प्राप्त करते हैं। इसके ठीक विपरीत कई शोध बताते हैं कि यदि कोई सोशल मीडिया का आवश्यकता से अधिक प्रयोग किया जाए तो वह हमारे मस्तिष्क को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकता है और हमे डिप्रेशन की ओर ले जा सकता है। सोशल मीडिया साइबर–बुलिंग को बढ़ावा देता है।यह फेक न्यूज और हेट स्पीच फैलाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।सोशल मीडिया पर गोपनीयता की कमी होती है और कई बार आपका निजी डेटा चोरी होने का खतरा रहता है। साइबर अपराधों जैसे– हैकिंग और फिशिंग आदि का खतरा भी बढ़ जाता है। आजकल सोशल मीडिया के माध्यम से धोखाधड़ी का चलन भी काफी बढ़ गया है, ये लोग ऐसे सोशल मीडिया उपयोगकर्त्ता की तलाश करते हैं जिन्हें आसानी से फँसाया जा सकता है।सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग हमारे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर सकता है। एक आकड़े के अनुसार दुनिया के 58.4 प्रतिशत लोग (462 करोड़) सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। एक रिसर्च के मुताबिक– 2020 से 2022 तक सोशल मीडिया से 42 करोड़ 40 लाख नए यूजर्स जुडेध। एक साल में यूजर्स में 10.1ः का इजाफा हुआ है। सबसे फेवरेट सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक रहा, जिसे 290 करोड़ लोग चलाते हैं। वहीं, दूसरे नंबर पर यूट्यूब है, जिसे 250 करोड़ लोग चलाते है। सोशल नेट वर्किंग साइट्स पर लोगों का डेली यूज भी बढ़ गया है। सोशल मीडिया का यूज करने का समय 1.4 प्रतिशत बढ़ गया है। अब लोग सोशल मीडिया का ऐवरेज 2 घंटा 27 मिनट तक यूज करते हैं।वहीं, भारत के 47 प्रतिशत (46 करोड़) से ज्यादा लोग सोशल मीडिया का यूज करते हैं। भारत में सोशल मीडिया के यूजर्स भी 4.2 प्रतिशत बढेध हैं। भारत का सबसे पॉपुलर सोशल मीडिया प्लैटफार्म वॉट्सऐप है, इसका इस्तेमाल 48 करोड़ से ज्यादा लोग करते हैं। वहीं, देश में सोशल मीडिया को यूज करने के समय में भी 4 से 6 घंटे तक बढ़ गया है।देखा जाए तो भारत में सोशल मीडिया ने समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को भी समाज की मुख्य धारा से जुड़ने और खुलकर अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का अवसर दिया है।इसके अतिरिक्त सोशल मीडिया अपनी आलोचनाओं के कारण भी चर्चा में रहता है। दरअसल, सोशल मीडिया की भूमिका सामाजिक समरसता को बिगाड़ने और सकारात्मक सोच की जगह समाज को बाँटने वाली सोच को बढ़ावा देने वाली हो गई है। भारत में नीति निर्माताओं के समक्ष सोशल मीडिया के दुरुपयोग को नियंत्रित करना एक बड़ी चुनौती बन चुकी है एवं लोगों द्वारा इस ओर गंभीरता से विचार भी किया जा रहा है। आँकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018–19 में फेसबुक, ट्विटर समेत कई साइटों पर 3,245 आपत्तिजनक सामग्रियों के मिलने की शिकायत की गई थी जिनमें से जून 2019 तक 2,662 सामग्रियाँ हटा दी गईं थीं।उल्लेखनीय है कि इनमें ज्यादातर वह सामग्री थी जो धार्मिक भावनाओं और राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान का निषेध ा करने वाले कानूनों का उल्लंघन कर रही थी। इस अल्पावधि में बड़ी संख्या में आपत्तिजनक सामग्री का पाया जाना यह दर्शाता है कि सोशल मीडिया का कितना ज्यादा दुरुपयोग हो रहा है।

बदलती जरूरतों के हिसाब से प्रशिक्षित हों युवा

सुरेश सेठ

दुनिया तेजी से परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। कामकाज के तरीके तेजी से डिजिटल और स्वचालित हो रहे हैं। रोबोटिक शक्ति इसका आधार बन रही है। कृत्रिम मेधा भी मुख्य सहयोगी के रूप में उभर रही है। यानी भारत में उत्पादन, निवेश और खेती–किसानी के तरीके भी बदलेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार अगले दस सालों में कामकाज के घंटों और नौकरी करने के तौर–तरीकों में परिवर्तन आएगा। एआई और रोबोटिक्स के चलते स्थायी व्यवस्था की जगह गिग अर्थव्यवस्था सामने आएगी। इसमें जरूरत के अनुसार अस्थायी कर्मचारियों को काम पर रखने का चलन बढ़ेगा। इसके साथ ही, काम के घंटे बदलने के कारण पारंपरिक नौकरियों की व्यवस्था के अतिरिक्त कर्मचारी संविदा के आधार पर विभिन्न सेक्टरों–कंपनियों में एक साथ कई जिम्मेदारियां संभाल सकेंगे। इसका असर डिजिटल और इंटरनेट की दुनिया में अभी से दिखने लगा है। आईटी एक्सपर्ट वर्क फ्रॉम होम करते हुए एक साथ कई कंपनियों का काम संभाल रहे हैं। पिछले दिनों एक प्रस्ताव सामने आया था कि काम के घंटे 10 से 14 कर दिए जाएं, क्योंकि आईटी क्रांति का सामना इसी तरह से किया जा सकेगा। बहरहाल, कामकाजी दुनिया की हकीकत बदल रही है। हाल के बजट में वित्तमंत्री ने भी जिन पांच क्षेत्रों में नौकरी की व्यवस्था पर ध्यान केन्द्रित किया है, उसमें कृत्रिम मेधा और रोबोट्स की दुनिया के प्रयोग को नकारा नहीं है। भारत, जिसकी आबादी इस समय दुनिया में सबसे अधिक है, क्या वह कृत्रिम मेधा या रोबोट का उपयोग उसी तरह कर सकता है जैसे शक्ति–संपन्न पश्चिमी देश करते हैं, जहां आबादी की कमी है। बजट सत्र में वित्तमंत्री ने नई नौकरियों के लिए दो लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके द्वारा अगले पांच साल में 4.1 करोड़ नौजवानों को विशिष्ट प्रशिक्षण दिया जाएगा ताकि वे रोजगार की दुनिया में खुद को अनुकूलित कर सकें। देश में आज भी आधी आबादी से कम खेतीबाड़ी में लगी हुई है। प्रश्न है कि वहां से सकल घरेलू आय में केवल 15 प्रतिशत का योगदान ही क्यों मिल रहा है? आंकड़े बता रहे हैं कि कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर बढ़ी है। इसके अतिरिक्त, ऐसे बेरोजगार भी हैं जो पारंपरिक तरीके से अपनी पैतृक खेतीबाड़ी के धंधे में लगे रहते हैं, लेकिन देश की निवल आय में उनका कोई योगदान नहीं है। इस अनुपयोगी युवा शक्ति का इस्तेमाल किसी ऐसे वैकल्पिक धंधे में होना चाहिए जो उन्हें ग्रामीण स्तर पर ही वहीं काम उपलब्ध करवा दे। लघु और कुटीर उद्योगों का विकास और फसलों को पूर्ण रूप से तैयार करके सीधे मंडी में बेचना भी एक समाधान हो सकता है। बजटीय घोषणाओं में अगले वर्ष अखिल भारतीय सहकारी अभियान चलाने का वादा है। इसके अंतर्गत इन सभी लोगों को काम मिलेगा। लघु–कुटीर उद्योगों की बातें तो होती हैं लेकिन लाल डोरा क्षेत्र में भी ग्रामीण युवा शक्ति के स्थान पर शहरी निवेशक ही प्रवेश करता नजर आता है। निस्संदेह, जब निजी क्षेत्र का विकास होगा और नये कारखाने खुलेंगे या फसलों पर आधारित छोटे उद्योग बढ़ेंगे, तो लोगों को स्वाभाविक रूप से रोजगार मिल जाएगा। सरकार द्वारा नौकरियां देने की क्षमता बहुत कम है। बेरोजगारों को सरकारी नौकरी देने का प्रतिशत 30 से अधिक नहीं रहा। आर्थिक प्रोत्साहन और नए निवेश के बावजूद देश अधिक से अधिक हर साल 70 लाख नौकरियां ही प्रदान कर पाएगा, जबकि देश के युवाओं को हर वर्ष कम से कम एक करोड़ नौकरियों की आवश्यकता पड़ेगी। क्या निजी क्षेत्र, सरकार के सभी प्रोत्साहनों, सब्सिडियों, मुद्रा योजनाओं और लोन क्षमता बढ़ाने के बावजूद इस कसौटी पर पूरा उतर सकेगा? बेशक, इस बार के बजट में मुद्रा योजना के तहत कर्ज की सीमा 10 लाख से बढ़ाकर 20 लाख प्रति इकाई कर दी गई है। नया प्रशिक्षण प्राप्त करने की इंटर्नशिप पर सबसिडी भी दी जा रही है। लेकिन क्या इतना काफी है? देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों को अभी भी उचित महत्व नहीं दिया जा रहा। शिक्षा बजट में केवल सवा लाख करोड़ रुपये और सेहत पर केवल 89 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। यह युवा शक्ति को स्वस्थ–शिक्षित नागरिक बनाने हेतु काफी नहीं है। शिक्षाविदों के अनुसार, पुरानी शिक्षा पद्धति से निकले हुए 75 प्रतिशत ग्रेजुएट्स नई डिजिटल व्यवस्था में नौकरी के योग्य नहीं हैं। इसलिए, युवा शक्ति को अपनी डिग्री से कहीं नीचे के काम करने के लिए समझौता करना पड़ता है। देश में काम देने में असंगठित क्षेत्र का बहुत बड़ा योगदान रहा है, लेकिन डिजिटलीकरण के साथ असंगठित क्षेत्र भी बिखरता नजर आ रहा है। जरूरी है कि बेरोजगारों के संघर्ष को बेहतर ढंग से समझा जाए और बदलते समय की मांगों के अनुसार युवा शक्ति को प्रशिक्षित करके उसे सही दिशा में कार्यशील बनाया जाए।

राशिफल

मेष :– कुछ नयी अभिलाषाएं आपको उत्साहित करेंगी। शासन–सत्ता की दिशा में केंद्रित लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। किसी महत्वपूर्ण दायित्व की पूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था हेतु मन चिंतित होगा।

बृषभ :– पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। पूजा–पाठ में पूरा दिन मन केंद्रित होगा। नये दायित्वों की पूर्ति होगी।

मिथुन :– भावनाओं पर नियंतण्रख अपने दायित्वों के प्रति सजग होना प्रगति का सूचक है। बचकाना स्वभाव महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। शिक्षा–प्रतियोगिता में परिश्रम का लाभ मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां अपनी पूर्ति हेतु मन पर दबाव बनाएंगी। कुछ नयी आकांक्षाएं मन पर प्रभावी होंगी। भौतिक–सुख साधन में व्यय संभव। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें।

सिंह :– किसी श्रेष्ठजन के प्यार से मन प्रसन्न होगा। किसी की कटु वाणी मन को दुखित कर सकती है। उच्च महत्वकांक्षाएं व्यावसायिक क्षेत्र में अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेंगी। आलस्य कतई न करें।

कन्या :– किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। क्षमता से अधिक जिम्मेदारियां अर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रेरित करेंगी। भावनाप्रधान मन रिश्तों से सहज ही प्रभावित हो जाता है।

तुला :– नये संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। पारिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा। जीविका क्षेत्र में मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु प्रयत्नशील होगा। रोजगार में व्यस्तता रहेगी किंतु जरूरी कार्य समय से पूर्ण करें।

वृश्चिक :– पिता के सहयोग से मुश्किल दिनों में राहत मिलेगी। बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता लाएगा। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

धनु :– रोजगार क्षेत्र में आपकी महत्वपूर्ण योजनाएं सार्थक होती हुई नजर आएंगी। श्रेष्ठजनों से नजदीकियां पैदा होंगी। व्यावसायिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कुछ प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

मकर :– सामाजिक गतिविधियों में आपकी क्रियाशीलता बढ़ेगी। अच्छी भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए समय अनुकूल रहेगा।

कुंभ :– भावना से उद्वेलित मन निकट संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। पूर्वाग्रहवश संबंधियों के प्रति नकारात्मकता को न पालें। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन में नकारात्मक विचार ला सकती हैं।

मीन :– भौतिक महत्वकांक्षाएं अभाव का एहसास कराएंगी।

खटमल को अंगूठे से कुचला जाता है, उद्धव ठाकरे और देवेन्द्र फडणवीस के बीच की जुबानी जंग किस स्तर पर पहुंच गई

महाराष्ट्र। विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ, पूर्व मित्रों, शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे और वरिष्ठ भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़नवीस के बीच प्रतिद्वंद्विता तेज हो गई है और उनके बीच तीखी जुबानी जंग अब और अधिक कड़वी और व्यक्तिगत हो गई है। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने पुणे और मुंबई में कम से कम दो बैठकों में फड़णवीस की आलोचना करने के लिए कोई शब्द नहीं बोले, उनकी तुलना महत्वहीन ढेकुन (खटमल) से की और इससे छुटकारा पाने की आवश्यकता पर जोर दिया। एक अन्य बैठक में, उद्धव ने उन्हें तरबुज (तरबूज) कहा, जिसे गड्ढों में फेंक देना चाहिए।पीछे हटने वालों में से नहीं, फड़नवीस ने नागपुर में पलटवार करते हुए कहा कि उन लोगों को नजरअंदाज करना सबसे अच्छा है जो अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। उद्धवजी निराश हैं। वह जिस तरह के शब्दों और भाषा का इस्तेमाल कर रहा है उससे उसकी मानसिक स्थिति का पता चलता है।श उनकी प्रलाप औरंगजेब फैन क्लब के नेता के रूप में उनकी साख को तेजी से स्थापित कर रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों प्रतिद्वंद्वियों के बीच मौखिक द्वंद्व का नवीनतम दौर राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता और पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के आरोपों से शुरू हुआ है, जिसमें उन्होंने कहा था कि फडणवीस ने उन्हें उद्धव और उनके बेटे आदित्य को झूठे मामलों में फंसाने के लिए मजबूर किया था। उनके खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जांच को आसान बनाया जा रहा है। ऐसा लगता है कि उद्धव ने इस पर अमल कर लिया है और 31 जुलाई को मुंबई में पार्टी कार्यकर्ताओं को अपने संबोधन के दौरान डिप्टी सीएम को चुनौती दी कि या तो आप (फडणवीस) या मैं राजनीति में बने रहेंगे। उद्धव के करीबी सहयोगियों का दावा है कि अगर उनका परिवार इसमें शामिल है तो वह अपने प्रतिद्वंद्वियों पर हमला करने से नहीं हिचकिचाते। सेना (यूबीटी) के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि उन्हें किसी तरह विश्वास है कि भाजपा उन्हें खत्म करना चाहती है।

केजरीवाल को नहीं मिली राहत, गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका को दिल्ली एचसी ने किया खारिज

नयी दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राहत नहीं मिली है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने केजरीवाल की जमानत याचिका का निपटारा कर दिया और कहा कि वह जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जा सकते हैं। उच्च न्यायालय ने 17 जुलाई को केजरीवाल की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था जिसमें कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट से एएपी को लगा झटका तो लोकतंत्र की दुहाई देने लगे संजय सिंह, कहा– एक चुनी हुई सरकार को बायपास करके... आज के आदेश में कहा गया है कि यह नहीं कहा जा सकता कि गिरफ्तारी बिना किसी उचित कारण के हुई थी। जहां तक घ्ज्जमानत आवेदन का सवाल है तो इसे ट्रायल कोर्ट में जाने की स्वतंत्रता के साथ निपटाया जाता है। अदालत ने केजरीवाल और सीबीआई के वकील की दलीलें सुनने के बाद 29 जुलाई को आप नेता की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए, केजरीवाल के वकील ने दलील दी थी कि यह सुनिश्चित करने के लिए एक बीमा गिरफ्तारी थी कि वह जेल में रहें। उनकी गिरफ्तारी को षदिखावाष बताते हुए केजरीवाल के वकील ने तर्क दिया था कि सीबीआई उन्हें गिरफ्तार नहीं करना चाहती थी और उनके पास उन्हें हिरासत में लेने के लिए कोई सामग्री नहीं थी, और घटनाओं के अनुक्रम से यह स्पष्ट हो गया कि उन्हें यह सुनिश्चित करने के लिए गिरफ्तार किया गया था कि वह जेल में रहें। सीबीआई के वकील ने केजरीवाल की दोनों दलीलों का विरोध किया था।

लव जिहाद के मामलों में आजीवन कारावास, लव जिहाद पर भी लगेगा लगाम, नया कानून लाने जा रही असम सरकार

असम। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही लव जिहाद के मामलों में उम्रकैद की सजा का कानून लाएगी। उनका यह बयान उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा 2021 धर्मांतरण विरोधी कानून में संशोधन विधेयक पारित करने के एक हफ्ते से भी कम समय बाद आया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ऐसे कानून का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में है जो लव जिहाद के मामलों में अधिक सजा देगा। असम में यह बड़े पैमाने पर है। लोग फेसबुक पर अपना हिंदू नाम डालते हैं, लड़की को लालच देते हैं और शादी के बाद लड़की को पता चलता है कि वह लड़का वह लड़का नहीं है जिससे उसने शादी की थी। हिमंत बिस्वा सरमा ने आगे कहा कि पीड़िता को पर्याप्त न्याय मिलना चाहिए। इसलिए असम सरकार, पिछले 3–5 वर्षों में विभिन्न मामलों की जांच करने के बाद, कानून का मसौदा तैयार करने जा रही है, जो उन मामलों के लिए अधिकतम सजा देगी जहां कोई लड़की को लुभाने के लिए अपनी पहचान छिपाता है। उन्होंने कहा कि असम के विभिन्न हिस्सों में जनसांख्यिकी परिवर्तन के कारण एसटी, एससी जैसे मूल समुदाय अल्पसंख्यक होते जा रहे हैं और उनकी संपत्ति भी विभिन्न संदिग्ध तरीकों से खरीदी जा रही है। भाजपा नेता ने कहा कि हम एक ऐसा कानून ला रहे हैं जो अंतर–सामुदायिकता पर रोक लगाएगा, केवल अंतर–सामुदायिक भूमि की बिक्री को प्रतिबंधित करेगा। एसटी, एससी और ओबीसी अपनी जमीन क्रमशः एसटी, एससी और ओबीसी को ही बेचेंगे... हमारी अधिवास नीति समावेशी होगी, जिसमें असम में रहने वाले हर समुदाय की जातीय और सांस्कृतिक आवश्यकताएं शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि लव जिहाद का मुद्दा एक गंभीर मुद्दा है ।

आशा किरण आश्रय गृह में मौतों का मामला : अदालत ने पानी की गुणवत्ता की जांच करने का आदेश दिया

नयी दिल्ली। उच्च न्यायालय ने सोमवार को कहा कि विक्षिप्त लोगों के लिए शहर की सरकार द्वारा संचालित आशा किरण आश्रय गृह में रह रहे 14 लोगों की हाल में हुई मौत एक ''अजब संयोग'' है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने कहा कि "लगभग सभी मृतक" टीबी से पीड़ित थे। पीठ ने दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को आश्रय गृह में पानी की गुणवत्ता और सीवर पाइपलाइन की स्थिति की जांच करने तथा इस संबंध में रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।पीठ ने समाज कल्याण विभाग के सचिव को भी छह अगस्त को आश्रय गृह का दौरा करने और एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। उसने जोर देकर कहा कि मामले में "सुधारात्मक उपाय" किए जाने की जरूरत है और अगर आश्रय गृह में क्षमता से ज्यादा लोग रहे हैं, तो प्राधिकारी कुछ लोगों को दूसरे प्रतिष्ठानों में स्थानांतरित करेंगे।

केरल सरकार पर बरसे पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव

वायनाड त्रासदी के लिए अवैध खनन को बताया जिम्मेदार

केरल। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने वायनाड में भूस्खलन त्रासदी में 222 से अधिक लोगों की मौत के लिए अवैध खनन और मानव निवास को जिम्मेदार ठहराते हुए सोमवार को केरल सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह स्थानीय राजनेताओं द्वारा अवैध मानव निवास को अवैध संरक्षण है। पर्यटन के नाम पर भी वे उचित जोन नहीं बना रहे हैं। उन्होंने इस क्षेत्र पर अतिक्रमण की अनुमति दे दी। यह बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। मंत्री ने कहा कि हमने पहले ही पूर्व वन महानिदेशक संजय कुमार की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर दी है। स्थानीय सरकार के संरक्षण में अवैध मानव निवास और अवैध खनन गतिविधियां हुई हैं। राज्य सरकार के अनुसार, पिछले सप्ताह केरल के वायनाड के गांवों में हुए घातक भूस्खलन की श्रृंखला में मरने वालों की संख्या 222 हो गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, कुल मृतकों में 97 पुरुष, 88 महिलाएं और 37 बच्चे थे। इसमें कहा गया है कि मारे गए 222 लोगों में से 172 के शवों की पहचान उनके रिश्तेदारों ने की है। अब तक विभिन्न स्थानों से कुल 180 शरीर के अंग बरामद किए गए हैं और उनमें से 161 का पोस्टमार्टम पूरा हो चुका है।वायनाड भूस्खलन केरल के मुख्यमंत्री टपरलंद ने पुलिस के बचाव अभियान की सराहना कीसीएमओ ने बयान में कहा कि वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिलों के विभिन्न अस्पतालों में 91 लोगों का इलाज चल रहा है और 256 लोगों को पहले ही छुट्टी दे दी गई है। इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि जिले के जंगल में एक झरने के पास फंसा 18 सदस्यीय दल सुरक्षित है। समूह के सदस्यों में से एक ने एक समाचार चौनल को फोन पर बताया कि उन्हें भूस्खलन में मारे गए एक व्यक्ति का शव मिला था, और रविवार शाम को उसे बरामद करने में उन्हें ढाई घंटे लग गए, जिससे वे इलाके में फंस गए। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि उसके बाद शव को हवाई मार्ग से ले जाया गया।

एससी ने दिल्ली के कोचिंग संस्थानों को बताया डेथ चौंबर्स

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 5 अगस्त को पिछले महीने दिल्ली के कोचिंग सेंटर में हुई मौतों का स्वतरू संज्ञान लिया और इस मामले पर केंद्र और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया। अदालत ने कोचिंग सेंटरों में सुरक्षा मानदंडों से संबंधित मुद्दे पर संज्ञान लिया और कोचिंग संस्थानों में हाल की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की, जिसमें विभिन्न परीक्षाओं के युवा उम्मीदवारों की जान चली गई। शीर्ष अदालत ने केंद्र, दिल्ली सरकार और एमसीडी को यह बताने के लिए जवाब दाखिल करने को कहा कि अब तक क्या सुरक्षा मानदंड निर्धारित किए गए हैं। अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी के पुराने राजिंदर नगर में एक यूपीएससी कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में तीन छात्रों की मौत पर कोचिंग सेंटरों को फटकार लगाई और कहा कि वे उम्मीदवारों के जीवन के साथ खेल रहे हैं।

जनपद के मदरसों की होगी जांच, टीम गठित

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद के अनुदानित मदरसों की जांच होगी। जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने इसके लिए टीम गठित किया है। जनपद में संचालित 15 राज्यानुदानित मदरसों में आधारभूत सुविधाओं, शिक्षक शिक्षणेतर कर्मचारियों की उपस्थिति एवं मिड–डे–मील की जांच होगी। डीएम ने दो दिन के भीतर जांच रिपोर्ट तलब किया है। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने बताया कि ब्लाकवार मदरसों की जांच के लिए टीम गठित की गई है। मदरसा अरबिया अ सु बहरुल उलूम अन्सार टोला खलीलाबाद एवं मदरसा जामिया अरबिया अ सु मिस्नाहूत उलूम विधियानी खलीलाबाद में आधारभूत सुविधाओं, शिक्षक शिक्षणेतर कर्मचारियों की उपस्थिति एवं मिड–डे–मील की जांच किए जाने हेतु जांच समिति में जिला समाज कल्याण अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी खलीलाबाद एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी खलीलाबाद को नामित किया गया है। इसी प्रकार मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत गौसिया रिजविया अगया, मदरसा दारुल उलूम अहले सुन्नत रिजविया दशांवा, मदरसा दारुल उलूम अ सु मदरीसुल इस्लाम बसडीला, मदरसा जामिया कलीमिया अहलेसुन्नत अजीजुल उलूम लोहरसन, मदरसा दारुल उलूम अहमदिया मेराजुल उलूम, धर्मसिंहवा एवं मदरसा दारुल उलूम अ सु अनवारुल इस्लाम महदेवा नानकार, बौरव्यास की जांच के लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी सेमरियावां, सांथा एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी सेमरियावां, सांथा को नामित किया है। इसी प्रकार मदरसा मुस्लिम एजुकेशनल सोसाईटी मिस्बाहुल उलूम झिंगुरापार रौजा महुली एवं मदरसा रिजविया अहलेसुन्नत रुस्तमपुर, शनिचरा बाजार की जांच के लिए नामित जिला कार्यक्रम अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी नाथनगर, पौली एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी नाथनगर, पौली को सम्मिलित किया गया है। इसी प्रकार मदरसा दारुल उलूम अ सु तनवीरुल इस्लाम अमरडोभा, बखिरा, मदरसा दारुल उलूम मोहम्मदिया लेडुआ–महुआ, बखिरा एवं मदरसा सुल्तानिया अशरफुल उलूम नौरों, बखिरा की जांच हेतु जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी बघौली एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी बघौली को नामित किया गया है।

इसी प्रकार मदरसा दारुल उलूम अ सु फैजुल इस्लाम मेंहदावल, मदरसा अरबिया अ सु मदीनतुल उलूम महदेवा नन्दौर की जांच के लिए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी मेंहदावल एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी को जांच समिति में सम्मिलित किया गया है। जिलाधिकारी ने गठित सभी जांच समितियों को निर्देशित किया है कि उक्त समस्त 15 राज्यानुदानित मदरसों में स्थलीय निरीक्षण करते हुए निर्धारित प्रारूप पर जांच आख्या जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को दो दिवस के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

शहीदों के नाम पर हुआ दो चौराहा, लगी मूर्ति

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शहर का लगातार सुंदरीकरण हो रहा है। विकास का कार्य हो रहा हैं। इसी कड़ी में अब अकबरपुर शहर के दो चौराहों का नामकरण कारगिल के शहीदों के नाम पर किया गया है। इनमें बाईपास चौराहा गोहन्ना और बाईपास तिराहा रगड़गंज शामिल है। इन दोनों स्थानों पर शूरवीर शहीदों की मूर्ति लगाई गई है। साथ ही विशेष तौर पर लाइट लगाकर सुंदरीकरण कराया गया है। बताया गया है कि इन दोनों स्थानों पर सीसीटीवी कैमरा भी लगेंगे। जिससे आवागमन की निगरानी की जाएगी।

जिलाधिकारी अविनाश सिंह दृढ़ इच्छाशक्ति के धनी है। जिले में तैनाती के बाद से अनवरत शहर के सुंदरीकरण की दिशा में कार्य कर रहे हैं। अब तक आधा दर्जन से अधिक तिराहा चौराहा विकसित करा चुके हैं। मूर्तियां लगाई जा चुकी हैं। जिनमें गांधी चौक, श्रीराम चौक, अशोक चौक पटेल चौक शामिल है। इसी कड़ी में अब वीर शहीदों के स्मृतियों को चिर स्थाई बनाने और यादों को जीवंत रखने के लिए शहीद सिपाही वीरचक्र प्राप्त धनुषधारी के नाम पर गोहन्ना चौराहे का नामकरण हुआ है। साथ ही शहीद हवलदार वीरचक्र से सम्मानित देवी प्रकाश सिंह के नाम पर रगड़गंज बाईपास तिराहे का नामकरण हुआ है। वहीं पुरानी तहसील तिराहा शहीद विक्रमादित्य सिंह के नाम से जाना जाएगा।

शहीदों के स्मृतियों एवं बलिदान को जीवंत बनाए रखने के दृष्टिगत जिले में नौ शहीद द्वार का निर्माण होगा। निर्माण पर 6.13 लाख रुपये खर्च होगा। इसका प्रस्ताव सैनिक कल्याण निदेशालय के माध्यम से प्रदेश सरकार को भेजा गया है। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल बीके शुक्ला ने बताया कि मंजूरी मिलते ही जल्द शहीद द्वारों का निर्माण शुरू होगा।

इटवा से विधायक माता प्रसाद पाण्डेय विधानसभा नेता प्रतिपक्ष बने

लखनऊ (आभा)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने नए नेता प्रतिपक्ष के लिए सपा विधायक माता प्रसाद पाण्डेय के नाम का ऐलान किया है। वे अब विधानसभा में सरकार से सवाल–जवाब करेंगे। इसके अलावा तीन और विधायकों को नई जिम्मेदारी सौंपी है। अखिलेश यादव ने अमरोहा से विधायक महबूब अली को अधिष्ठाता मंडल, हसनपुर से विधायक कमाल अख्तर को मुख्य सचेतक और प्रतापगढ़ जिले के रानीगंज विधानसभा क्षेत्र से विधायक राकेश कुमार उर्फ डॉक्टर आरके वर्मा को उप सचेतक बनाया है।

बतादें कि अभी विधानसभा नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी सपा प्रमुख अखिलेश यादव संभाल रहे थे, लेकिन कन्नौज लोकसभा सीट से सांसद चुने जाने के बाद अखिलेश ने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ये पद खाली हो गया था। 29 जुलाई से विधानसभ में मानसून सत्र भी शुरू हो रहा है ऐसे में नेता प्रतिपक्ष को लेकर चर्चा शुरू गई थी। नेता प्रतिपक्ष के नाम के ऐलान को लेकर अखिलेश यादव ने रविवार को

सपा विधानमंडल दल की एक बैठक बुलाई थी।

इस बैठक में इंद्रजीत सरोज व राम अचल राजभर, सरोज, शिवपाल यादव जैसे नेताओं का नाम भी नेता प्रतिपक्ष के लिए रखा गया था, लेकिन इस रेस में माता प्रसाद पांडेय ने बाजी मार ली।

नए नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय सिद्धार्थनगर जिले के इटवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। माता प्रसाद का जन्म 31 दिसंबर 1942 में हुआ था। माता प्रसाद यूपी विधानसभा में पहले दो बार अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

यूपी विधानमंडल का मॉनसून सत्र सोमवार से शुरू होने जा रहा है। इस सत्र में खासा हंगामा होने के आसार हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद पहली बार हो रहे इस सत्र में मुख्य विपक्षी दल सरकार को घेरने के लिए खासे आक्रामक तेवर दिखाने की तैयारी में हैं तो सरकार भी विपक्ष के आरोपों का माकूल जवाब देने की तैयारी में है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना रविवार शाम को विधानभवन में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा अन्य दलों के नेता शामिल होंगे। इसके पहले कार्यमंत्रणां समिति की बैठक में सदन के कार्यक्रम को मंजूरी दी जाएगी। भाजपा विधानमंडल दल की बैठक सोमवार को सुबह 9.30 पर होगी।

भाजपा सांसद जगदम्बिका पाल का फूल मालाओं के साथ स्वागत

संवाददाता–बस्ती। डुमरियागंज के सांसद भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जगदम्बिका पाल के बस्ती आगमन पर एपीएन पी.जी. कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अमन प्रताप सिंह के नेतृत्व में शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज के निकट फूल मालाओं के साथ स्वागत किया गया। इसी कड़ी में पार्टी नेता एवं पूर्व प्रमख कृष्ण चन्द्र सिंह के नेतृत्व में बस्ती सुगर मिल के कर्मचारियों ने सांसद जगदम्बिका पाल को ज्ञापन सौंपा। सूर्यमणि चतुर्वेदी, जनार्दन सिंह, सूबेदार सिंह, चंदन सिंह, सौरभ आदि सांसद श्री पाल को बताया कि जब तक मिल कर्मचारियों का बकाया भुगतान मिल प्रबंधन नहीं कर देता है तब तक हम शुगर मिल का कोई भी सामान बाहर नहीं ले जाने देंगे। इस मामले में जिला प्रशासन ने मिल कर्मचारियों से मिलकर आश्वासन दिया है कि मिल कर्मचारियों का बकाया भुगतान कराया जाएगा लेकिन मिल प्रबंधन कर्मचारियों के ऊपर अनावश्यक दबाव बनाकर धरने को समाप्त करना चाह रहा है लेकिन कर्मचारी लगातार धरना जारी रखे हुए हैं। सांसद जगदम्बिका पाल ने मिल कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि समस्या का प्रभावी निराकरण कराया जायेगा। सांसद जगदम्बिका पाल का स्वागत करने वालों में संजय सिंह, ध्रुवचन्द्र सिंह, गोपाल यादव, पंकज सिंह, राज बहादुर, राजेन्द्र सिंह, ऋषभ प्रताप सिंह के साथ ही अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल रहे।

किसके संरक्षण में चल रही हैं डबल डेकर बसें..?

संवाददाता–बस्ती। उन्नाव में हुये भीषण सड़क हादसे में 40 लोगों की जान चली गई थी। ये हादसा डबल डेकर बस से हुआ है। जांच हुई तो बस का संचालन मानकों पर न होना पाया गया। लेकिन इतने बड़े हादसे से सबक लेकर डबल डेकर बसों के खिलाफ कार्यवाही करने की बजाय स्थानीय प्रशासन स्कूल बसों के पीछे पड़ा है। दरअसल इस सख्ती से जिम्मेदार अफसर विभाग की असल कमियों पर परदा डालना चाहते हैं।

उक्त बातें यहां प्रेस को जारी विज्ञप्ति में राष्ट्रीय मानवाधिकार सेवा ट्रस्ट के प्रदेश मीडिया प्रभारी महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहीं। उन्होन स्थानीय प्रशासन एवं परिवहन विभाग के अफसरों से स्कूल बसों का निरीक्षण किये जाने के साथ ही डबल डेकर बसों पर भी शिकंजा कसने की मांग किया है। महेन्द्र श्रीवास्तव ने कहा बिहार और

अन्य प्रान्तों की बसें बस्ती आरटीओ आफिस में आकर रजिस्टर की जाती हैं। इससे महकमे के भ्रष्टाचार का अंदाजा लगाया जा सकता है। बस्ती का फर्जी नाम पता दिखाकर दर्जनों डबल डेकर बसों का अवैध संचालन विभागीय अफसरों की मिलीभगत से हो रहा है।हैरानी इस बात की है कि जिला प्रशासन का ध्यान बिलकुल इधर नही है। महेन्द्र श्रीवास्तव ने विभाग के जिम्मेदार अफसरों से लिखित सूचना देकर कहा है कि हाल ही में महाराष्ट्र से आईं दो बसों (एमएच 04 जीपी 0099 तथा एमएच 04 जीपी 0999 के मालिक बस्ती में इसे रजिस्टर्ड कराना चाहते हैं, इसे रोका जाना निहायत जरूरी है। बस्ती के अफसरों की लचर व्यवस्था के चलते दूसरे प्रान्तों से आकर यहां लोग भ्रष्टाचार की जड़ों में पानी डाल रहे हैं। इस पर रोक नही लगी तो अफसरों का काला चिट्ठा सामने लाया जायेगा।

विकास प्राधिकरण की महायोजना 2031 स्वीकृत

संवाददाता–बस्ती। शासन ने बस्ती विकास प्राधिकरण की महायोजना–2031 को स्वीकृत कर दिया है। महायोजना–2031 के अनुसार मुख्य सड़कों के किनारे हाईवे फैसिलिटी जोन (कॉमर्शियल जोन) विकसित होगा। जहां पर विभिन्न प्रकार की कॉमर्शियल गतिविधियों को संचालित करने के लिए भवनों का नक्शा बनवाया जा सकता है। यह कॉमर्शियल जोन मुख्य सड़क से 500 मीटर दोनों तरफ होगा। यह रिंग रोड शहर के मुख्य सड़कें, सोनूपार रोड, रिंग रोड, बांसी रोड, महसो रोड और कलवारी रोड पर स्थापित होगा।बीडीए सचिव प्रतिपाल सिंह चौहान व अधिशासी अभियंता संदीप कुमार ने बताया कि नई योजना में कॉमर्शियल जोन विकसित किया गया है। यह प्राधिकरण क्षेत्र में व्यवसायिक गतिविधियों के संचालन में मदद करेगा। कॉमर्शियल जोन में ढाबा, होटल, मोटल, ऑटो गैरेज, दुकान, कोल्ड स्टोरेज, ग्रीन रिजार्ट, रेस्टोरेंट, कैंटीन, जलपालन गृह, साइबर कैफे, कुटीर उद्योग, वेयर हाउस, कार्यालय, बैंक, डाकखाना, सरकारी प्रतिष्ठान, फलों की दुकान, मौसम केंद्र, गेस्ट हाउस आदि स्थापित किए जा सकते हैं।

रिंग रोड पर पड़ने वाले भदेश्वरनाथ, निबिया, बनकटा, सोनूपार, महसो रोड पर निपनिया, साहूपार, महसोजोत, महसो खास, कैली रोड पर चननी, दुधौरा, जगदीशपुर, खशुआ, रिंग रोड पर चोरभरिया, छितही नरसिंह, कोपिया, कोपवा, परसाटूड़ी, लटवापार, कटया, बायपोखर, हरैया जप्ती, रहठौली, सबदेईया खुर्द, एनएच 28 पर मरवटिया, खझौला, बनियाजोत, पिपराचंद्रपति, सोनारजोत, खुटहना, मनौरीडांडी, अरखाबारी, हड़िया, करही, सबदेईया कला, परसाजाफर, दसौता सड़क के दोनों तरफ कॉमर्शियल जोन होगा। अहमट घाट के आगे फुटहिया से महरीपुर के बीच कॉमर्शियल जोन बनाया गया है। फुटहिया संसारपुर से रिठिया, बगही, पुरैना, कटया, भटहा व्यवसायिक क्षेत्र में आएगा। बस्ती–बांसी मार्ग पर बनकटी, बसिया व हरर्दिया बुजुर्ग के पास भी कॉमर्शियल जोन बना है।

जहां जेहाद वहां लव हो ही नहीं सकता –आचार्य प्रमोदकृष्णम

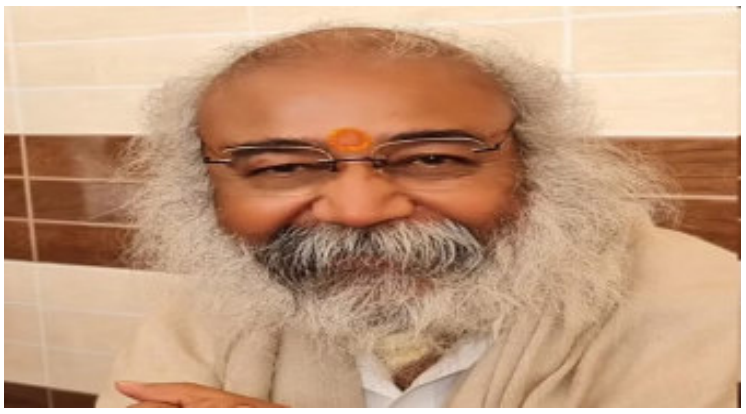

संवाददाता–देवरिया। कल्कि धाम पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने लव जिहाद पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में लाए गए कानून पर खुलकर राय रखी। उन्होंने कहा, विपक्ष का एकमात्र लक्ष्य है भारत की संस्कृति को नष्ट किया जाए। भारतीय संस्कृति सभ्यता, विचारों को खत्म किया जाए। ये तो इस देश में तालिबानी शासन चाहते हैं। जहां तक लव जिहाद की बात है। जहां लव है वहां जेहाद नहीं हो सकता और जहां जेहाद है वहां लव नहीं हो सकता। दुनियां का कोई धर्म यह नहीं बताता कि झूठ बोलकर रिश्ता बनाओ। आज जो उत्तर प्रदेश की सरकार ने फैसला लिया है, मैं योगी आदित्यनाथ जी की सराहना करता हूं और सरकार की भी सराहना करता हूं। सबको इसका समर्थन करना चाहिए।

उन्होंने उक्त बातें देवरिया के भुजोली में कही। वह विजय राय के आवास पर थोड़ी देर रुके थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बयान कि भाजपा देश के लोगों को चक्रव्यूह में फंसा रही है के सवाल पर जवाब देते हुए प्रमोद कृष्णम ने कहा कि राहुल गांधी को पता ही नहीं कि चक्रव्यूह की रचना किसने की। कल मैं उनका बयान सुन रहा था जो पार्लियामेंट में जो उन्होंने वक्तव्य दिया है। वो तो कह रहे थे कि चक्रव्यूह में छह लोग थे। अरे भैया! चक्रव्यूह की रचना की थी सात महारथियों ने और सात द्वार थे। सात महारथियों ने मिलकर अभिमन्यु की हत्या की थी। वो कह रहे थे अरे साहब! हम तो चक्रव्यूह को तोड़ेंगे। मुझे लगता है राहुल, न तो अभिमन्यु हैं और ना अर्जुन हैं। वो क्या हैं उन्हें खुद ही नहीं पता। यह शोध का विषय है कि राहुल गांधी क्या हैं। और ये क्या बोलते हैं। कुछ पर्ची मास्टर हैं, जो उन्हें पर्ची थमा देते हैं बोलने से पहले। पर्ची मास्टरों को वजह से कांग्रेस की यह दुर्दशा हो रही है। जहां तक अर्जुन और महाभारत का सवाल है, अर्जुन तो एक ही है इस देश में। जिसने 2014 का चक्रव्यूह तोड़ा, जिसने 2019 का तोड़ा, जिसने 2024 का चक्रव्यूह तोड़ा और वो अर्जुन है नरेंद्र मोदी। राहुल गांधी तो पूरे कौरव दल को इकट्ठा करके अपने साथ खड़े हैं, तो राहुल गांधी ना अभिमन्यु हो सकते हैं और ना अर्जुन हो सकते हैं।

मां के मौत की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के लिए बेटी से दरोगा ने मांगे पांच हजार रुपए

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवाली पुलिस की मनमानी थम नहीं रही है। यहां की पुलिस पर पहले लाकप से भागे एक आरोपी की पिटाई का मामला काफी चर्चा में है। इसी बीच एक दरोगा की करतूत भी विभाग की छवि धूमिल कर रही है। ताजा मामला पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने के लिए दरोगा पर पांच हजार रुपए घूस मांगने का आरोप है। खास बात है कि इसके बाद भी पुलिस अधीक्षक ने उसका देर रात तबादला कर दिया। आरोपी दरोगा के खिलाफ विभाग द्वारा अभी कोई जांच शुरू की गई है या नहीं यह भी कोई बताने को तैयार नहीं है। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के निबियहवा पोखरा निवासी रेखा देवी पत्नी धर्मराज की मां का 17 जुलाई को एक्सीडेंट हो गया था। दो दिन बाद उनकी मौत हो गई। रेखा जब अकबरपुर कोतवाली में पोस्टमार्टम रिपोर्ट लेने गई तो वहां का नजारा अलग ही था। पीड़ित का दर्द कम करने के बजाय दरोगा द्वारा खुलेआम पांच हजार की मांग की गई। जिससे आहत रेखा ने एक वीडियो में अकबरपुर कोतवाली में तैनात दरोगा संजय सिंह यादव पर आरोप लगाया है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट देने के लिए उनके द्वारा पांच हजार रुपए की मां की गई। पहले दरोगा द्वारा यह कहा गया कि चार गवाह लेकर आओ। इसके बाद ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलेगी। जब रेखा चार गवाहों के साथ पहुंची तो दरोगा द्वारा पांच हजार रुपए की मांग की जाने लगी। रेखा ने दरोगा द्वारा मांगे जाने पर अपना आधार कार्ड भी दरोगा दिया। आरोप है कि पैसा न मिलने पर नाराज दरोगा संजय यादव ने रेखा का आधार कार्ड फाड़कर कूड़ेदान में फेंक दिया। और गाली गलौज करते हुए भगा दिया। बाद में पीड़ित रेखा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिसमें उसने दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि अकबरपुर कोतवाली में तैनात दरोगा संजय यादव हमेशा चर्चा में रहता है।

प्रेमिका से वीडियो काल पर बात करते हुए प्रेमी ने खुद को मारी

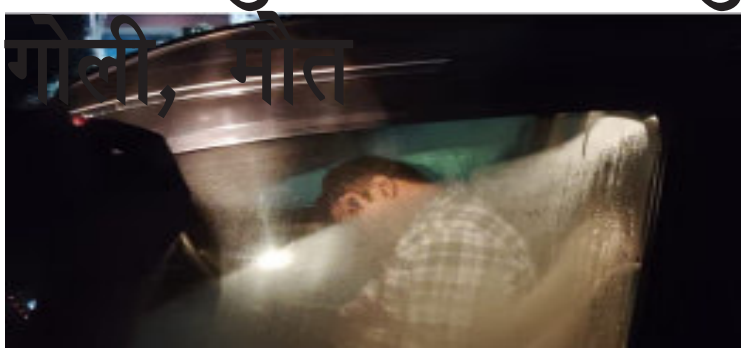

संवाददाता–गोरखापुर। गुलहरिया थानाक्षेत्र में प्रेमी ने वीडियो कॉल पर अपनी प्रेमिका से बात की। इसी दौरान कनपटी पर पिस्टल के लिए सटाकर गोली चला दी। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। उसका शव कार से बरामद किया गया है। पास से एक पिस्टल भी मिली है, जो कि कंट्री मेड है।घटना गुलरिहा इलाके के सरैया पेट्रोल पंप के पास की है। यहां मंगलवार की देर रात युवक ने सुसाइड किया है। युवक की पहचान अखिलेश शर्मा के रूप में हुई है। शाहपुर इलाके के खजांची चौक निवासी अखिलेश शर्मा उर्फ छोटू एक प्राइवेट कंपनी में काम करता था। गोली लगने के बाद मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आवाज सुनते ही आसपास के लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। बता दें कि अखिलेश की शादी हो चुकी थी और वह दो बच्चियों का पिता था। कुछ समय पहले खजनी इलाके की रहने वाली एक महिला से उसकी जान पहचान हुई थी।

पुलिस का कहना है कि उक्त महिला अखिलेश को रुपयों के लिए ब्लैकमेल कर रही थी, जिससे वह काफी परेशान हो गया था।पुलिस के मुताबिक महिला ने पहले भी तीन युवकों से संबंध बनाए थे और उन सभी को ब्लैकमेल किया था। अखिलेश चौथा युवक था, जो उसकी जाल में फंस गया था। अखिलेश ने अपनी परेशानी से तंग आकर अपनी प्रेमिका को वीडियो कॉल किया और फिर खुद को गोली मार ली।

कार में युवक के गोली मारे जाने की घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और पिस्टल को भी जब्त कर लिया। पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि महिला के खिलाफ पहले भी कोई शिकायत दर्ज हुई है या नहीं।अखिलेश के परिवार वाले इस घटना से बेहद सदमे में हैं। उसकी पत्नी और बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है। परिवार ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है और दोषी महिला के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

सावन की पहली बारिश से तर हुई धरा, मौसम की तल्खी से मिली राहत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले में बुधवार को सावन मास की पहली बारिश हुई। मानसून के बैक होने से हुई बारिश ने मौसम को खुशनुमा बना दिया है मुरझाए किसानों के चेहरे खिला दिया है। तापमान में छह डिग्री सेल्सियस की कमी से लोगों को राहत मिली है। बारिश का इंतजार खत्म हो गया है। मौसम सावनी हो गया है। बुधवार की सुबह जिले में सावन महीने की पहली बारिश हुई। सावन मास के 10वें दिन बारिश हुई। हालांकि मूसलाधार बारिश नहीं हुई। यूं तो मौसम का मानसूनी मिजाज मंगलवार को हो बन गया था। मंगलवार की रात ही जिले में बारिश हुई थी। वहीं बुधवार की सुबह से आसमान से जमकर पानी के तौर पर राहत की बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार बुधवार के भोर से आसमान में काले बादल उमड़ने घुमड़ने लगे थे। तीन बजे के बाद बारिश का दौर शुरू हो गया। चमक–गरज के साथ बारिश देर रात तक जारी रही। बारिश जनित किसी हादसे की खबर नहीं है। वहीं बारिश से किसान और मौसम के खुशनुमा हो जाने से गर्मी से बेहाल लोग खुश हैं। धान की फसल के लिए वरदान मानी जा रही बारिश से किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। मौसम विभाग ने अगले दो दिन मूसलाधार बारिश का ऐलान किया है। साथ ही तापमान में और गिरावट से गर्मी से राहत मिलने की संभावना जताई है। वहीं बारिश की हुई आमद तो बिजली गुल हो गई है। बुधवार को आसमान से पानी के रूप में राहत की बारिश हुई। हालांकि इसके साथ बिजली दगा दे गई। बारिश के शुरू होने के बाद नगर की विद्युतापूर्ति ठप हो गई है। अयोध्या रोड, दोस्तपुर रोड, मालीपुर रोड की गुल बिजली देर रात तक बहाल नहीं हुई थी।

प्राण वायु के लिए सभी करें पौधरोपड़ –त्रिभुवन दत्त

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। रामनगर विकास खंड के ग्राम सभा सुतहरपारा में लॉर्ड बुद्धा सेवा ट्रस्ट परमेश्वरपर के तत्वावधान में पौधरोपड़ एवं पौध वितरण समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं विधायक आलापुर त्रिभुवन दत्त मौजूद रहे। ट्रस्ट के अध्यक्ष रामधारी गौतम, सचिव प्रदीप कुमार एवं कोषाध्यक्ष राममूरत गौतम ने विधायक त्रिभुवन दत्त का फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। विधायक ने उपस्थित लोगों के साथ पौध रोपित कर पर्यावरण रक्षा का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि पौधों को रोपित करने के साथ इसकी सुरक्षा भी करना हम सभी का दायित्व है। कोरोना काल की याद दिलाते हुए कहा कि स्वच्छ वायु के लिए हजारों लोग परेशान थे जिनको मौके पर नहीं मिला वह आज दुनिया में नहीं हैं इसलिए हम सभी को मिलकर अधिक से अधिक पौध लगाने चाहिए जिससे भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो सके। मौके पर जिला पंचायत सदस्य अजित कुमार यादव, रामचंद्र वर्मा, राजबहादुर यादव, प्रधान प्रमोद मिश्र, मोहम्मद अजलाल, अजय गौतम, कृष्ण कुमार पांडेय, हरिओम यादव, अनिल कुमार, गुरुदेव गौतम व अन्य मौजूद रहे।

स्वतंत्रता दिवस के दिन होंगे भव्य आयोजन

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में स्वतंत्रता दिवस की तैयारी बैठक हुई। बैठक में डीएम ने परम्परागत रूप से हर्षोल्लास एवं आकर्षक ढंग से राष्ट्रीय पर्व मनाए जाने के लिए विभागों के तैयारियों की समीक्षा की। उन्हें इस बाबत जरूरी निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता, अपर जिलाधिकारी जयप्रकाश व मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी मौजूद रहे। डीएम ने कहा कि जनपद में यह परम्परा रही है कि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में दिन भर विविध कार्यक्रमों का आयोजन होता है। जिसके लिए विभिन्न जनपद स्तरीय अधिकारियों को कार्यक्रमों के सुचारु एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने की जिम्मेदारी सुनिश्चित की गई है। इसके लिए सभी सम्बंधित अधिकारी अपने–अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए 15 अगस्त के कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। जनपद में सुबह छह से आठ बजे तक प्रार्थना एवं प्रभातफेरी कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके पश्चात सभी सरकारी, गैर सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज सुबह आठ बजे फहराया जाएगा। यह आयोजन जिला मुख्यालय, तहसील, विकास खण्ड, एवं ग्राम पंचायत, स्तर पर किया जाएगा। उसमें ज्यादा से ज्यादा लोगों को भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा। राष्ट्रीय ध्वज में गुलाब की पंखुड़िया बांधकर फहराया जा सकता है। तिरंगा झण्डा के अभिवादन के साथ ही राष्ट्रगान के भावपूर्ण गायन की व्यवस्था की गयी है। सांयकाल सूर्यास्त होने से पहले राष्ट्रीय ध्वज को उतारने की भी व्यवस्था की जाएगी। जिलाधिकारी ने मुख्य विकास अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी व अन्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि शहीद स्मारकों पर साफ–सफाई आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।निश्चित समय पर ध्वजारोहण की व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के संबंध में सभी तैयारियां पहले से ही पूर्ण कर ली जाएं। स्वतंत्रता दिवस के दिन दो महत्वपूर्ण कार्यों में श्रमदान के आधार पर वृहद स्वच्छता अभियान एवं पौधरोपण अभियान को शामिल किया जाएगा। इसमें हम सब मिलकर जनपद के प्रत्येक गांवों एवं शहर के सभी वार्डों में साफ–सफाई का कार्य करेंगे। साथ ही सभी लोग 15 अगस्त को भी अलग–अलग जगह पर पौधरोपण करें। शहीद स्मारक स्थलों पर सुबह 11 बजे से एक बजे तक शहीदों, देश भक्तों तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन के प्रेरक प्रसंगों से उपस्थित जनों को अवगत कराएं, जिससे राष्ट्रीय चेतना विकसित हो। अपराह्न 12.30 बजे से कबीर जन सेवा संस्था एवं व्यापार मण्डल के सौजन्य से फल आदि का वितरण कराया जाएगा। शाम पांच से सात बजे तक मेंहदावल चौराहे पर सार्वजनिक सभा का आयोजन तथा 7रू30 बजे शाम को कवि सम्मेलन एवं मुशायरा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सधिकारी डॉ रामानुज कनौजिया, जिला विकास अधिकारी सुरेश चन्द्र केसरवानी, उपायुक्त मनरेगा प्रभात द्विवेदी, उपजिलाधिकारी धनघटा रमेश चन्द्र, अपर उपजिलाधिकारी अरुण कुमार, डॉ. सुनील कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक हरिश्चन्द्र नाथ, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, उपायुक्त उद्योग राजकुमार शर्मा, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी चन्द्रशेखर यादव, जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार, जिला पूर्ति अधिकारी राजीव शुक्ल, प्राधानाचार्या राजकीय कन्या इंटर कालेज खलीलाबाद डॉ सबीहा मुमताज, प्राधानाचार्य हीरालाल इंटर कालेज राम कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

रामलीला का छठा संस्करण एक अक्टूबर से

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या की रामलीला का छठा संस्करण 1 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 12 अक्टूबर तक चलेगा उक्त जानकारी अयोध्या की रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक ने बताया। उन्होंने बताया कि अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और महासचिव शुभम मलिक ने बताया कि, अयोध्या की रामलीला में गोरखपुर के सांसद और सुपरस्टार रवि किशन केवट की भूमिका निभाएंगे और संसद के भोजपुरी के सुपरस्टार मनोज तिवारी परशुराम की भूमिका निभाएंगे। वेदमाती की भूमिका में भाग्यश्री नजर आएंगी । वेद सागरश्भगवान रामश की भूमिका में और मंगिशा मां श सीता श की भूमिका में नजर आएंगी।

उन्होंने बताया कि बिंदू दारा सिंह भगवान शंकर, रजामुराद राजा दशरथ ,राकेश बेदी राजा जनक, विनय सिंह कुंभकरण ,नरेश कौशीक नारद मुनि,किशन भारद्वाज भगवान हनुमान की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि पिछले साल अयोध्या की रामलीला को 36 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों ने देखी थी, इस साल हमारी कोशिश है कि 50 करोड़ से ज्यादा राम भक्तों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि हमने अयोध्या की रामलीला की शुरुआत कोरोना काल में करी थी।उस समय कहीं पर भी रामलीला नहीं दिखाई जा रही थी हमने श्री राम की जन्म भूमि अयोध्या पर रामलीला की शुरुआत करी थी मुझे बहुत खुशी है कि अयोध्या की रामलीला को जो हम देखते हैं तो ऐसा लगता है जैसे भगवान पृथ्वी पर उतर आए हो।

श्री राम कथा के मर्मज्ञ चंद्रांशु महाराज ने कहा कि अयोध्या की रामलीला पूरे विश्व में लोकप्रिय हो रही है इसमें रामलीला कमेटी का काफी श्रम है जो पूरी मेहनत से पूरे वर्ष भर पत्रों का चयन करती है और अच्छी रामलीला अयोध्या से राम भक्तों को दिखाने का प्रयास करती है। उन्होंने कहा कि यह रामलीला निरंतरता क साथ आगे बढ़ रही है और भक्तों में लोकप्रिय हो रही है इस वर्ष भी रामलीला नए रिकॉर्ड को छूएगी।इस मौके पर अयोध्या की रामलीला कमेटी के चेयरमैन राकेश बिंदल, पवन वत्स करण शर्मा, राज मथुर ,अमित कुमार, अमित साहनी, मनोज सहरावत, रूबी चौहान, अनिमेष चंदन, मेघनाथ सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अघोषित बिजली कटौती पर फूटा आक्रोश, बाजार बंदकर व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–बहराइच। अघोषित बिजली कटौती के विरोध में बुधवार को मिहींपुरवा बाजार बंदकर व्यापारियों व कस्बे के लोगों ने धरना–प्रदर्शन किया। झमाझम बारिश के बीच कई घंटों तक लोग समस्या समाधान को लेकर हक की आवाज बुलंद करते हैं। दोपहर बाद एक्सईएन मौके पर पहुंचे। 24 घंटे के अंदर जर्जर लाइनों को बदलकर रोस्टर के हिसाब से आपूर्ति का आश्वासन दिया। इसके बाद व्यापारियों ने धरना खत्म करने का फैसला किया। कहा कि वायदे पर खरे नहीं उतरे तो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

नेपाल सीमा से लगे मिहींपुरवा नगर पंचायत व आसपास के ग्रामीण इलाकों में कई दिनों से लो– वोल्टेज व अघोषित बिजली कटौती एक बड़ी समस्या बनी हुई है। उमस भरी गर्मी के बीच नगर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति ठप होने से लोगों के सामने पानी की भी एक बड़ी समस्या पैदा हो रही है। बार–बार शिकायतें करने पर भी कोई कदम न उठाने से नाराज कस्बे के लोगों ने सामूहिक रूप से सुबह ही अपनी–अपनी दुकानों को बंदकर दिया। बाजार बंदकर कस्बे के लोग चौराहे पर एकत्र होकर धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। हजारों की संख्या में लोग हक की आवाज को बुलंद करने में जुटे रहे। झमाझम बारिश के बीच लोगों की भीड़ को देखकर पुलिस महकमा भी हरकत में आया। एसएचओ राकेश पांडेय पूरे अमले के साथ मौके पर पहुंचे। सूचना अधीक्षण अभियंता तक पहुंची। उन्होंने तत्काल एक्सईएन नानपारा को मौके पर भेजा। छोटेलाल गुप्ता ने कहा कि निरंकुश व्यवस्था के खिलाफ लोगों को एकजुट होकर सड़क पर उतरना पड़ा है। समस्या से परेशान कस्बे के लोग डटे रहे। दोपहर करीब दो बजे एक्सईएन मौके पर पहुंचे। लोगों ने उनके सामने अपनी प्रमुख मांगें रखीं। एक्सईएन ने कहा कि 132 केवी में दिक्कत होने की वजह से ऐसी समस्या पैदा हो रही है। इसको दूर करने का प्रयास चल रहा है। 24 घंटे के बाद रोस्टर के हिसाब से कस्बे के लोगों को आपूर्ति मिलने लगेगी। एक्सईएन के पहुंचने पर व मांग पत्रों पर विचार के आश्वासन पर पर कस्बे के लोग मौके से हटे। अनूप कुमार मोदी,बाबूलाल शर्मा, सभासद हर्षित शुक्ला, फैयाज अंसारी, सुदामा सिंह, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष श्रवण कुमार मद्धेशिया, संजय सिंह, पप्पू राईन आढ़ती, राजेश जोशी, दिलबाग सिंह मौजूद रहे।

बिजली विभाग के खिलाफ जनाक्रोश को लेकर बंद रही कस्बे की दुकानों से लोग हलकान रहे। जरूरी सामानों की खरीदारी करने के लिए लोग दुकानों के खुलने का इंतजार करते रहे। दोपहर बाद धरना खत्म होने पर दुकानें खुली। इसके बाद खरीदारों की भीड़ दुकानों पर उमड़ पड़ी।

स्वामीनारायण मंदिर में झूलनोत्सव पर सूखे मेवे से सजे झांकी पर विराजमान हुए सरकार

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या के श्री स्वामीनारायण मंदिर में झूलनोत्सव का शुभारंभ श्रावण कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा से प्रारंभ होकर पूर्णिमा तक चलता और नित्य नई– नई झांकी सजा कर झूले पर ठाकुर जी को विराजमान किया जाता है जिसमें आज कृष्ण पक्ष एकादशी को सूखे मेवे की झांकी सजाई गई इसके पूर्व भुट्टा सब्जी पेड़ा मिठाई सहित दर्जनों झांकियां सज चुकी हैं अमावस्या के दिन 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी और पूरे सावन 30 दिन मंदिर में 30 विविध प्रकार की झांकियां सजेगी और झांकी के साथ झूलनोत्सव पर प्रतिदिन ठाकुर जी को पद भी सुने जाते हैं जिनमें प्यारी झूलन पधारो झुकि आए बदरा..। रमकि–रमकि झूले नवल हिडोलना..। झूलन में सज–ध जाकर युगल सरकार बैठे हैं.. यह बोल अयोध्याधाम स्थित श्रीस्वामी नारायण मंदिर रायगंज में चल रहे झूलनोत्सव के है, जहां श्रावण कृष्णपक्ष प्रतिपदा से झूलन का शुभारंभ हो चुका है। मठ में महंत स्वामी अखिलेश्वर दास शास्त्री महाराज के सानिध्य में प्रतिदिन भगवान के झूलन की सुभव्य झांकी सज रही हैं। झूलन झांकी का दर्शन कर साधु–संत एवं भक्तजन अपना जीवन धन्य बना रहे हैं। मंदिर में झूलनोत्सव का उल्लास अपने चरम पर पहुंच चुका है। हर रोज सायंकाल आरती–पूजन पश्चात भगवान को झूले पर पधराकर झूला झुलाया जा रहा है। साथ ही साथ साधु–संत से लेकर भक्तजन भगवान को झूला झुलाते हुए अनेकानेक झूलन गीत गाकर भाव के अंतरंग में आनंदित हो रहे हैं। मंदिर में झूलन का सिलसिला सायंकाल से लेकर रात्रि तक चल रहा है। इस अवसर पर श्रीस्वामी नारायण मंदिर रायगंज के महंत स्वामी अखिलेश्वर दास शास्त्री महाराज ने बताया कि मठ में श्रावण कृष्णपक्ष प्रतिपदा से भगवान का झूलनोत्सव प्रारंभ हो चुका है। जो श्रावण शुक्लपक्ष पूर्णिमा यानी रक्षाबंधन तक चलेगा। उसके बाद झूलनोत्सव का समापन हो जायेगा। मंदिर में पूरे एक महीने तक झूलन का कार्यक्रम चलता है। यह परंपरा मठ में कई वर्षों से चली आ रही है, जिसका निर्वाहन हम आज भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान के झूलन झांकी का दर्शन करने से अपार पुण्य की प्राप्ति होती है। जो भी मनुष्य भगवान के झूलन झांकी का दर्शन करता है। वह सर्वदा के लिए आवागमन से मुक्त हो जाता है। अर्थात उसे सांसारिक माताओं की गोद में कभी नही झूलना पड़ता है।

निकायों में संक्रामक रोक फैलने पर सीधे जवाबदेह होंगे ईओ –डीएम

संवाददाता–बहराइच। कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम मोनिका रानी ने निकाय कार्यों की समीक्षा किया। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में कूड़ा प्रबन्धन, साफ–सफाई, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश, निराश्रित गौवंशों का प्रबन्धन, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी व अन्य कार्यों को शासन के निर्देशों के अनुसार ही कराएं। डीएम ने कहा कि ईओ अपने क्षेत्र के निकायों में साप्ताहिक रूप से निकायों का औचक निरीक्षण कर कूड़ा प्रबन्धन, साफ–सफाई, स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति, प्रकाश, निराश्रित गौवंशों का प्रबन्धन प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी का जायजा लेते रहें। निरीक्षण आख्या उपलब्ध कराएं। ईओ को निर्देश दिया कि सूखा व गीला कूड़ा एकत्रीकरण की कार्यवाही सही कराएं। ईओ कैसरगंज को निर्देश दिये कि अपने निकाय क्षेत्रों के निराश्रित गौवंशों को गौशालाओं में संरक्षित कराएं। कहा कि सिंगल यूज प्लॉस्टिक पर प्रतिबंध को कड़ाई के लागू करें। निकाय क्षेत्रों में कहीं भी जलभराव की समस्या न होने पाये। यदि कहीं पर जलभराव की समस्या की शिकायत प्राप्त होती है तो उस पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए जल निकासी की व्यवस्था करें। नाले–नालियों की समुचित साफ–सफाई संग एंटी लार्वा का छिड़काव कराएं।

कहा कि किसी निकाय में संक्रामक रोग फैलने की समस्या संज्ञान में आती है तो सम्बन्धित ईओ के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई होगी। एडीएम गौरव रंजन श्रीवास्तव, लीड बैंक प्रबन्धक जितेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, एसडीएम सदर राकेश कुमार मौर्या, कैसरगंज पंकज दीक्षित, जिला सेवायोजन अधिकारी संजय कुमार, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी वीपी सत्यार्थी, जिला समाज कल्याण अधिकारी रमाशंकर गुप्ता, अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी संजय मिश्रा, ईओ बहराइच प्रमिता सिंह मौजूद रहे।

अनफिट २१६ स्कूल वाहन सड़क पर दिखे तो होगा चालान

संवाददाता–गोण्डा। बच्चों को अनफिट वाहनों से स्कूल ले जाने पर प्रतिबंध लगाने के लिए संभागीय परिवहन विभाग ने नई जुगत की है। विभाग ने अनफिट वाहनों की सूची जिले के सभी थानों पर भेजी है। विभाग ने पुलिस से ऐसे वाहनों के सड़क पर पाए जाने पर चालान और निरोधात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया है। वहीं ऐसे वाहन स्वामियों को एक सप्ताह के अंदर फिटनेस प्रमाण पत्र न लेने पर वाहनों का पंजीयन निरस्त करने की भी चेतावनी दी है।

विद्यालयों में बच्चे मैजिक, टेंपो व स्कूली बसों से भरकर लाए और छुट्टी के बाद ले जाए जाते हैं। कहीं–कहीं यह वाहन स्कूल की ओर से संचालित किए जाते हैं तो कहीं लोग खुद ही संचालित करते हैं । कई वाहन तो इतने जर्जर दिखते हैं कि उनकी बगल से गुजरने से भी डर लगता है। इन वाहनों में केवल चालक के ही सहारे बच्चे होते हैं। स्कूली वाहन के लिए मानक पूरा करने को कौन कहे इन वाहनों में आग बुझाने व प्राथमिक उपचार की कोई व्यवस्था नहीं रहती। कई वाहनों में तो स्कूल प्रबंधक व प्रधानाचार्य का नंबर भी नहीं लिखा होता और महिला सहायक तो किसी स्कूल बस में दिखाई नहीं देती। नियम तो यह है कि स्कूली वाहनों का रंग पीला होना चाहिए। जिससे दूसरे वाहन चालकों को स्कूल बस की जानकारी हो सके । स्कूल बस की स्पीड 50 किमी प्रति घंटा से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। स्कूल बस में जीपीएस सिस्टम होना जरूरी है, ताकि अभिभावकों को बच्चों की लोकेशन की पूरी और सही जानकारी हर मिनट मिल सके। बिना इन मानकों को पूरा किए ही वाहन सड़कों पर फर्राटा भर रहे हैं। अब परिवहन विभाग ने 216 ऐसे वाहनों को चिन्हित कर कार्रवाई की है। 216 स्कूली वाहनों के साथ ही 62 कांट्रेक्ट वाहन भी अनफिट पाए गए हैं। यह वाहन भी कार्रवाई की जद में आ गए हैं। इन वाहनों पर भी भी सात दिन के अंदर फिटनेस न बनवाने पर पंजीयन निरस्त की कार्रवाई की जाएगी। परिवहन विभाग के आरआई संजय कुमार ने बताया कि अनफिट वाहन स्वामियों को सूचना भेज दी गई है। –शैलेंद्र त्रिपाठी, पीटीओ ने कहा कि अनफिट 216 स्कूली वाहन व 62 कांट्रेक्ट वाहन स्वामियों को नोटिस दी गई है।

विद्यालय में अनुपस्थित होने वाले अध्यापकों के विरुद्ध करें कठोर कार्रवाई –डीएम

संवाददाता–श्रावस्ती। परिषदीय स्कूलों में अध्यापकों और बच्चों की शत प्रतिशत उपस्थिति के लिए बार बार निरीक्षण करें। जो भी अध्यापक बिना सूचना के अनुपस्थित मिले। उस पर कठोर कार्रवाई करें। इसके साथ ही सभी स्कूलों में किचन गार्डन की स्थापना कराई जाय। उपरोक्त बातें जिलाधिकारी ने बेसिक शिक्षा विभाग की जिला अनुश्रवण समिति की बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि जिले के 162 विद्यलयों में किचन गार्डन की राशि भेजी गयी। लेकिन बच्चों को हरी सब्जियां नहीं मिल रही हैं।

क्षेत्र में गैर मान्यता प्राप्त स्कूल संचालित नहीं होने का हलफनामा देंगे बीईओ

संवाददाता–बहराइच। क्षेत्र में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित न होने की अब बीईओ को हलफनामा देना होगा। संचालित विद्यालयों को तत्काल बंद कराएंगे। अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेसिक स्कूलों में दर्ज कराएंगे। संचालक पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी ठोकेंगे। जिले में गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों की भरमार है। मोटी फीस लेकर भविष्य गढ़ने की गारंटी ली जा रही है। इस पर बीएसए ने सभी 15 बीईओ को आदेश जारी किया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।